इस दुनिया में कोई महान व्यक्ति नहीं है, केवल महान चुनौतियां हैं जिनका सामना साधारण लोग करते हैं।

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित भोपाल, सोमवार 11 मई 2026 वर्ष-35 अंक-261 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए

ब्रीफ न्यूज

तीन आईपीएस के तबादले, आशुतोष बागरी बने बुरहानपुर एसपी

भोपाल , ब्यूरो। मोहन सरकार ने रविवार को तीन आईपीएस के ट्रांसफर आदेश जारी किए। वर्ष 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश सगर को उप पुलिस महानिरीक्षक, 2री वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल ग्वालियर से उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल पदस्थ किया गया है। वहीं वर्ष 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी आशुतोष बागरी को सेनानी 17वीं वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल भिंड से पुलिस अधीक्षक, बुरहानपुर बनाया गया है। इसके अलावा वर्ष 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी विदिता डागर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्वालियर से सेनानी, 2री वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल ग्वालियर पद पर पदस्थ किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल शहर और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा अत्याधुनिक तकनीक और नवाचार को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जोड़ने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अस्पताल की टीम ने आधुनिक तकनीक के समावेश पर विशेष ध्यान दिया है, जो सराहनीय है।

वारंगल में देश के पहले कार्यरत पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के वारंगल में देश के पहले 1,695.54 करोड़ रुपये की लागत से तैयार पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया है।

यह पार्क केंद्र सरकार के 5 एफ विजन (फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन) को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

तमिलनाडु में एम.वी. करुप्पैया बने प्रोटेम स्पीकर

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत के बीच शोलावंदन से तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) विधायक एम.वी. करुप्पैया को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। रविवार को राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब अभिनेता से नेता बने विजय ने रविवार को ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया।

भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 31 मई को, पारस्परिक संबंध होंगे मजबूत

नई दिल्ली। भारत और अफ्रीकी संघ आयोग के सहयोग से 31 मई को नई दिल्ली में चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन होगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य के सहयोग की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

बेंगलुरु में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से तीन किमी दूर मिला विस्फोटक

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बेंगलुरु दौरे के दौरान शहर में जिलेटिन की छड़ें मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने जिलेटिन की छड़ों को सावधानीपूर्वक हटाया गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बताया गया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से डेढ़ घंटे पहले आसपास सुरक्षा चेकिंग के दौरान कग्गलीपुर के ततगुनी के पास स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर आश्रम के बाहरी हिस्से में यानी कार्यक्रम स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर एनआईसीई रोड जंक्शन से लगभग एक किलोमीटर दूर सड़क से करीब 20 से 25 फीट अंदर एक संदिग्ध पैकेट मिला। उसने इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी।

मध्य प्रदेश में पीएमजीएसवाई-4 की शुरुआत, शिवराज ने ग्रामीण विकास के लिए हजारों करोड़ की सौगात दी

सीहोर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के भैरूंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह में पीएमजीएसवाई-4 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने राज्य के लिए ग्रामीण सड़क, आवास और विकास से जुड़ी हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं और स्वीकृतियों की घोषणा की।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान, प्रदेश मंत्री करण सिंह वर्मा, जनप्रतिनिधि तथा केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गांव की सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि समृद्धि, सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अवसरों का मार्ग हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गांव, गरीब, किसान और महिलाओं के जीवन में ठोस और प्रत्यक्ष परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से समृद्ध, आत्मनिर्भर, विकसित और आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण विकास की योजनाओं का उद्देश्य विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश को पीएमजीएसवाई-4 के तहत 2,117.52 किलोमीटर लंबाई वाली 973 सड़कों की स्वीकृति दी गई, जिनकी अनुमानित लागत 1,763.08 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं से राज्य की 987 बस्तियों को लाभ मिलने और ग्रामीण संपर्क व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद जताई गई है।

विदिशा संसदीय क्षेत्र के लिए अलग से 600.393 किलोमीटर लंबाई वाली 259 सड़कों को मंजूरी दी गई, जिससे 264 बस्तियों को लाभ मिलेगा। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विदिशा संसदीय क्षेत्र में 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सड़कें बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि कोई भी गांव सड़क संपर्क से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के मानकों और पात्रता को पूरा करने वाली सभी सड़कों को मंजूरी दी जाएगी। क्षेत्रीय विकास से जुड़ी स्थानीय मांगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन पर व्यावहारिक और ठोस निर्णय लिए जाएंगे।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 384.34 किलोमीटर लंबाई वाली सड़क परियोजनाओं को 261.81 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई।

आज पूरी दुनिया भारत के आध्यात्मिक मूल्यों से प्रभावित: प्रधानमंत्री

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि कोई भी अभियान तब सफल होता है, जब उसके साथ समाज की शक्ति जुड़ जाती है। उन्होंने कहा कि समाज, राजनीति और सरकारों से भी अधिक शक्तिशाली होता है। कोई भी सरकार तभी सफल हो सकती है, जब समाज स्वयं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाए।

प्रधानमंत्री बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की 45वीं वर्षगांठ और गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर के 70वें जन्मोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में नवनिर्मित ध्यान मंदिर का उद्घाटन कर संस्था की मानसिक स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, प्रकृति संरक्षण तथा सामाजिक परिवर्तन से जुड़ी राष्ट्रव्यापी सेवा पहलों की शुरुआत की।

अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज की सुबह अलग अनुभूति लेकर आई है। बच्चों के वैदिक मंत्रों से स्वागत, भगवान गणेश के दर्शन, श्रीश्री रविशंकर के 70 वर्ष और आर्ट ऑफ लिविंग के 45 वर्ष जैसे पल उनकी स्मृतियों में हमेशा बने रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरुदेव ने मंच से जो बातें कहीं, लोगों को भले लगा हो कि वह उनकी प्रशंसा कर रहे थे लेकिन उन्हें ऐसा लगा जैसे उन्हें और अधिक काम सौंपा जा रहा हो। उन्होंने कहा, जब आपका शताब्दी समारोह होगा तब मैं फिर से आऊंगा।

मोदी ने कहा कि दिव्य और भव्य ध्यान मंदिर का लोकार्पण इस बात का प्रतीक है कि जब संकल्प स्पष्ट हो और सेवाभाव से कार्य किया जाए तो हर प्रयास का सुखद परिणाम मिलता है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने विजय, शपथ में राहुल गांधी हुए शामिल

नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए अभिनेता से नेता बने विजय ने रविवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई प्रमुख विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। चेन्नई में रविवार सुबह 11 बजे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (माकपा) और विदुथलाई चिरुथइगल काची (वीसीके) के नेताओं ने भी हिस्सा लिया। इन दलों ने विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को समर्थन दिया है।

असम में हिमंता ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, 12 मई को शपथ

गुवाहाटी। असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नई सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। राजग विधायक दल के नेता और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को लोक भवन में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात कर राज्य में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को होगा।

योगी कैबिनेट का विस्तार, भूपेंद्र चौधरी समेत 6 ने ली मंत्री पद की शपथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार का बहुप्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार हुआ। लोकभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में राजनीतिक हलचल के बीच कई नए चेहरों को कैबिनेट में जगह मिली, जबकि कुछ मौजूदा मंत्रियों को प्रमोशन भी दिया गया। नए मंत्रियों के रूप में भूपेंद्र चौधरी, कृष्णा पासवान, हंसराज विश्वकर्मा, मनोज पांडे, कैलाश राजपूत और सुरेंद्र दिलेर ने शपथ ली। इनके अलावा सोमेंद्र तोमर और अजीत सिंह पाल को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई, जिन्हें प्रमोशन देकर कैबिनेट स्तर की जिम्मेदारी दी गई है। सरकार की ओर से किए गए इस फेरबदल में सामाजिक संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है। नए मंत्रियों में एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित समाज से आते हैं। इस तरह भाजपा ने जातीय समीकरण साधने की कोशिश की है।

जल संरक्षण जनआंदोलन बने, तभी आत्मनिर्भर होगा विदर्भ: नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि विदर्भ को किसान आत्महत्या क्षेत्र की पहचान से बाहर निकालने और गांवों में जल समृद्धि लाने के लिए जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश में पानी की कमी नहीं है, बल्कि जल संसाधनों की उचित योजना और प्रबंधन का अभाव है।

गडकरी रविवार को नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 17 और 18 मई को नागपुर में 'जलसंवाद' और 'जलक्रांति' सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक चरणसिंह ठाकुर और उमेश यादवकर भी उपस्थित रहे।

गडकरी ने कहा कि जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई और कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से जल प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सकता है। खेत तालाबों से निकली मिट्टी का राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में उपयोग किए जाने से पश्चिमी विदर्भ के अकोला, वाशिम और बुलढाणा जिलों में भूजल स्तर बढ़ाने में मदद मिली है।।

एल्विश यादव से लॉरेंस गैंग ने मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

विदेशी नंबर से आया मैसेज, 2 दिन में पैसे नहीं देने पर गोली मारने की चेतावनी, पहले भी घर पर हो चुकी है फायरिंग

गुरुग्राम। यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर उनसे 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। धमकी विदेशी नंबर से व्हाट्सएप मैसेज के जरिए दी गई। मैसेज भेजने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी रणदीप मलिक बताया है।

रविवार को मामले की शिकायत मिलने के बाद गुरुग्राम के सेक्टर-56 थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कि धमकी के मैसेज कहां से भेजे गए। जानकारी के अनुसार, एल्विश यादव इन दिनों एक शो की शूटिंग के सिलसिले में गुरुग्राम से बाहर हैं। उनका इन दिनों कर्ल्स चैनल पर लाफ्टर शैफ शो चल रहा है। इसके अलावा वह अन्य चैनलों की शूटिंग भी कर रहे हैं।

पांच सौ वर्ष पुरानी सांस्कृतिक विरासत का डिजिटल संरक्षण- पेंड्रा में मिलीं दुर्लभ पांडुलिपियां

रायपुर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के तहत छत्तीसग? के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। पेंड्रा नगर की पुरानी बस्ती में सदियों पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियों और दस्तावेजों को खोज निकाला गया है, जिन्हें अब डिजिटल माध्यम से भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया है।

दो प्रमुख स्थानों से अमूल्य धरोहरें प्राप्त- सर्वेक्षण दल को पेंड्रा के वार्ड क्रमांक 4 में दो प्रमुख स्थानों से अमूल्य धरोहरें प्राप्त हुई हैं। 500 वर्ष पुरानी अथ श्रीमद्भागवत गीता पंडित मोहन दत्त शर्मा के निवास से हस्तलिखित गीता सहित कई धार्मिक ग्रंथ मिले।

यह पांडुलिपियां आकर्षण का केंद्र रहीं, जिन पर कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने श्रद्धापूर्वक मत्था टेका। सर्वेक्षण के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह के निवास से लगभग 200 वर्ष पुरानी हस्तलिखित जमींदारी वंशावली तथा पेंड्रागढ़ क्षेत्र के राजस्व एवं वन विभाग से संबंधित ऐतिहासिक नक्शे भी प्राप्त हुए।

इन दस्तावेजों को भी डिजिटल तकनीक के माध्यम से संरक्षित किया गया। कलेक्टर ने राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी शिखा सिंह से पारिवारिक इतिहास, जमींदारी परंपरा और ऐतिहासिक धरोहरों के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

बठिंडा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को 102 करोड़ की मंजूरी, यात्रियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

चंडीगढ़। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बठिंडा और पूरे मालवा क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी सौगात का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बठिंडा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 102 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

रवनीत सिंह बिट्टू ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि बठिंडा रेलवे स्टेशन मालवा क्षेत्र में व्यापार, कृषि, रक्षा गतिविधियों और यात्री आवागमन का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। स्टेशन के आधुनिकीकरण से न केवल बठिंडा, बल्कि पूरे मालवा क्षेत्र के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत रेलवे स्टेशन पर आधुनिक यात्री सुविधाएं विकसित की जाएंगी। स्टेशन के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा और इसे विश्वस्तरीय स्वरूप दिया जाएगा, ताकि यात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिल सके।

आईएसआई से जुड़े एमपी के तीन युवक गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस का दावा- मंदिर, ढाबा और सैन्य कैंप को बनाना था निशाना

भोपाल। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मध्यप्रदेश के तीन युवकों को गिरफ्तार कर बड़ा खुलासा किया है। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार युवक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ड्डस्ड्ड के संपर्क में थे और देश में बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। जांच एजेंसियों के अनुसार आरोपियों ने दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे स्थित एक ढाबे और हरियाणा के सैन्य कैंप की रेकी कर तस्वीरें पाकिस्तान भेजी थीं। सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क को लेकर अलर्ट हो गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार किए गए युवक मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं। दिल्ली पुलिस लंबे समय से इनके डिजिटल नेटवर्क और गतिविधियों पर नजर रख रही थी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए पाकिस्तान में बैठे ड्डस्ड्ड हैंडलर्स के संपर्क में आए थे। उन्हें संवेदनशील स्थानों की जानकारी जुटाने और तस्वीरें भेजने के निर्देश दिए गए थे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों ने दिल्ली के एक प्रमुख धार्मिक स्थल की कई बार रेकी की। इसके अलावा दिल्ली-सोनीपत हाईवे पर स्थित एक ढाबे और हरियाणा के सैन्य कैंप के आसपास भी संदिग्ध गतिविधियां की गईं। जांच एजेंसियों का दावा है कि आरोपियों ने इन स्थानों की फोटो और वीडियो पाकिस्तान भेजे थे। बदले में उन्हें आर्थिक मदद और अन्य सुविधाओं का लालच दिया गया था।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तकनीकी निगरानी और इनपुट के आधार पर तीनों युवकों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिलने का दावा किया जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनका नेटवर्क कितना बड़ा है और क्या इनके संपर्क में अन्य लोग भी शामिल हैं।

ब्रीफ न्यूज़

अजनाल नदी में पलटा ट्रैक्टर, 15 वर्षीय किशोर की मौत

हरदा। मध्य प्रदेश के हरदा जिले के झाड़पा गांव में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक किशोर की जान चली गई। खेत से मक्का लेकर गांव लौटते समय अजनाल नदी के पुल पर ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे किशोर ट्रैक्टर के नीचे दब गया। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, झाड़पा गांव निवासी सूरज विश्नोई का छोटा बेटा दर्शन विश्नोई (15) नीमगांव स्थित खेत से मक्का से भरी ट्रॉली लेकर ट्रैक्टर से गांव लौट रहा था। रविवार सुबह करीब 11 बजे झाड़पा के पास अजनाल नदी पर बने रपटे से गुजरते समय ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और नदी में पलट गया। हादसे के दौरान ट्रैक्टर चला रहा दर्शन उसके नीचे दब गया। घटना होते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के ग्रामीण मदद के लिए दौड़ पड़े।

ग्रामीणों ने तत्काल जेसीबी मशीन की मदद से ट्रैक्टर को हटाकर दर्शन को बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे तुरंत शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

दर्शन दो भाइयों में सबसे छोटा था। उसका बड़ा भाई लुधियाना में पढ़ाई कर रहा है। दर्शन हरदा के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में कक्षा 10वीं का छात्र था। किशोर की असमय मौत से परिवार गहरे सदमे में है। गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

शहडोल में सड़क हादसे में भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष और उनके साथी की मौत

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के ब्यौहारी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में भाजपा युवा मोर्चा के करकी मंडल अध्यक्ष राहुल द्विवेदी और उनके साथी अतुल तिवारी की मौत हो गई। शनिवार देर रात शहडोल-रीवा हाईवे पर जोरा पुलिया के पास एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, टिहकी गांव निवासी राहुल द्विवेदी और अतुल तिवारी शनिवार रात झिरिया गांव में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के बाद देर रात जब वे बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी हाईवे पर किसी वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। रात का अंधेरा और सुनसान इलाका होने के कारण काफी देर तक किसी को दुर्घटना की भनक नहीं लगी।

रविवार सुबह जब राहगीरों ने सड़क किनारे क्षतिग्रस्त बाइक और दो शवों को देखा, तो तत्काल ब्यौहारी पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। फिलहाल पुलिस हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान की जा सके।

सिवनी में डंपर ने पिकअप को मारी टक्कर, युवक की मौत, चार घायल, चालक फरार

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में पलट गया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन में सवार लोग अतरिया गांव से घंसौर की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 10 बजे रूपदोंन गांव के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप सड़क से नीचे उतरकर गड्ढे में पलट गई। हादसे के तुरंत बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण दौड़कर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। एमएमटी मनीष रैकवार और चालक संदीप ने घायलों को वाहन से बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिया और सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद संतोष काकोडिया (20) को मृत घोषित कर दिया। वहीं राहुल उइके (26), सतेंद्र आर्मो (21), हिमेश आर्मो (23) और शैलेंद्र घायल बताए गए हैं।

ऑपरेशन टेबल पर थम गई 11 साल की दीपिका की सांस

ओपीडी क्लीनिक में कर दिया अपेंडिक्स ऑपरेशन, लोकल एनेस्थीसिया के बाद बिगड़ी हालत- ऑपरेशन करने वाला डॉक्टर फरार

उज्जैन (ब्यूरो)। मंछामन कॉलोनी स्थित एक निजी क्लीनिक में 11 साल की बच्ची की मौत ने शहर के स्वास्थ्य तंत्र की लापरवाही और अवैध चिकित्सा कारोबार की परतें खोल दी हैं। जिस क्लीनिक को सिर्फ ओपीडी संचालन की अनुमति थी, वहां अपेंडिक्स का ऑपरेशन कर दिया गया। ऑपरेशन के दौरान बच्ची की हालत बिगड़ी, ऑक्सीजन लेवल गिरा और पल्स डाउन होती चली गई। बाद में उसे दूसरे अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हैरानी की बात यह है कि ऑपरेशन हेल्थ विभाग के सहायक संयुक्त संचालक डॉ. डीके तिवारी द्वारा किया गया। आरोप है कि रजिस्टर्ड एनेस्थेटिस्ट उपलब्ध नहीं होने पर बच्ची को लोकल एनेस्थीसिया देकर ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। इसी दौरान उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। घटना के बाद परिजनों ने क्लीनिक पर जमकर हंगामा किया। जब वे बच्ची को लेकर वापस क्लीनिक पहुंचे तो वहां ताला लटका मिला और स्टाफ गायब था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला संभाला। प्रशासन ने जनसेवा नोबल पॉली क्लीनिक को सील कर दिया है। क्लीनिक संचालक डॉ. राजेश चौहान को हिरासत में लिया गया है, जबकि ऑपरेशन करने वाले डॉ. डीके तिवारी फरार बताए जा रहे हैं।

पेट दर्द की शिकायत पर पहुंचे थे क्लीनिक....

राघवी तहसील के ग्राम टिल्याखेड़ी निवासी मेहरबान सिंह

डाबी अपनी बेटी दीपिका को पेट दर्द की शिकायत पर जनसेवा नोबल पॉली क्लीनिक लेकर पहुंचे थे। परिजनों के मुताबिक करीब एक महीने से बच्ची परेशान थी। जांच के बाद डॉक्टरों ने अपेंडिक्स बताकर ऑपरेशन की सलाह दी। शनिवार को क्लीनिक में ही ऑपरेशन किया गया, लेकिन कुछ देर बाद बच्ची की हालत गंभीर हो गई।

परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों ने स्थिति बिगड़ने की जानकारी छिपाई और जल्दबाजी में बच्ची को फ्रीगंज स्थित दूसरे अस्पताल भेज दिया। वहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भारी पुलिस बल के बीच हुआ पोस्टमार्टम.....

रविवार सुबह माधवनगर अस्पताल में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बच्ची का पोस्टमार्टम कराया गया। सात डॉक्टरों की पैनल ने पीएम किया। टीम में डॉ. शिव मेनिया, डॉ. शीतल गुप्ता, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. विक्रम रघुवंशी, डॉ. दिलीप वास्के, डॉ. अभिषेक जाटव और सीएमएचओ डॉ. अशोक पटेल शामिल रहे।पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। डॉक्टरों ने बिसरा सुरक्षित रखकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट होगा।

छह महीने पहले ही शुरू हुआ था क्लीनिक....

जांच में सामने आया है कि जनसेवा नोबल पॉली क्लीनिक के पास अस्पताल संचालन या ऑपरेशन की कोई वैध अनुमति नहीं थी। क्लीनिक सिर्फ परामर्श केंद्र के रूप में पंजीकृत था। सूत्रों के अनुसार संचालक डॉ. राजेश चौहान के नाम कोई मान्य मेडिकल डिग्री भी दर्ज नहीं है। हालांकि उनका बेटा बीएएमएस डॉक्टर बताया जा रहा है।

करीब छह महीने पहले ही यह क्लीनिक शुरू किया गया था। इसके पहले भी दूसरे नाम से क्लीनिक संचालन की जानकारी सामने आई है।

मां की शिकायत पर केस दर्ज....

नीलगंगा थाना पुलिस ने शनिवार देर रात बच्ची की मां मंजू डाबी की शिकायत पर मामला दर्ज किया। पुलिस ने क्लीनिक संचालक को हिरासत में ले लिया है। वहीं पूरे मामले में फरार डॉक्टर डीके तिवारी की तलाश की जा रही है।

अफसर पर सवाल, सिस्टम भी कटघरे में...

सबसे बड़ा सवालझ यह है कि जब क्लीनिक के पास ऑपरेशन की अनुमति ही नहीं थी, तो वहां सर्जरी कैसे हो रही थी? और हेल्थ विभाग का जिम्मेदार अधिकारी खुद वहां ऑपरेशन कैसे कर रहा था? इस घटना ने जिले में अवैध क्लीनिकों और स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

महाकाल की भस्म आरती में पहुंचे अभिनेता अर्जुन रामपाल और गायिका इशिता विश्वकर्मा

महाकाल मंदिर में दोनों कलाकारों ने किए दर्शन-पूजन, मंदिर समिति की ओर से हुआ सम्मान

उज्जैन (ब्यूरो)। महाकालेश्वर मंदिर में आज रविवार सुबह आयोजित भस्म आरती में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अर्जुन रामपाल और गायिका इशिता विश्वकर्मा ने भगवान महाकाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। दोनों कलाकारों ने प्रात:कालीन भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया।

भस्म आरती के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। अभिनेता अर्जुन रामपाल ने

नंदी हॉल से बाबा महाकाल की आरती की और देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं गायिका इशिता विश्वकर्मा ने भी महाकाल के दर्शन कर आध्यात्मिक अनुभूति साझा की।

महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से दोनों अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। मंदिर समिति द्वारा उन्हें प्रसाद, दुपट्टा और भगवान महाकाल की तस्वीर भेंट की गई। उल्लेखनीय है कि महाकाल मंदिर में देशभर की नामी हस्तियों के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। बाबा महाकाल की भस्म आरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं के साथ-साथ फिल्म और संगीत जगत की हस्तियां भी बड़ी संख्या में उज्जैन पहुंच रही हैं।

पोषण किट बांटने में पिछड़ा उज्जैन... संभागायुक्त नाराज

देवास-शाजापुर की तारीफ, उज्जैन को सुधार के निर्देश- बैठक से गायब अफसरों पर भी गिरी गाज

उज्जैन (ब्यूरो)। संभाग में पोषण किट वितरण को लेकर उज्जैन जिले की सुस्त रफ्तार अब अफसरों के लिए सवाल बन गई है। संभागायुक्त ने समीक्षा बैठक में उज्जैन जिले की कमजोर प्रगति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। वहीं देवास और शाजापुर की बेहतर स्थिति की सराहना की गई।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल में आयोजित चार विभागों की समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की पड़ताल के दौरान सामने आया कि पोषण किट वितरण में उज्जैन जिला अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया।संभागायुक्त ने साफ कहा कि कुपोषण जैसी गंभीर समस्या में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और तय लक्ष्य हर हाल में पूरे करने होंगे।

बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास तथा जनजातीय कार्य विभाग के कामकाज की समीक्षा की गई। इस दौरान योजनाओं में कमजोर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को फटकार भी लगी।

बैठक से अनुपस्थित रहने पर मंदसौर के डीपीसी पर सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए एक माह का वेतन काटने और विभागीय जांच के निर्देश दिए गए। वहीं देवास और आगर-मालवा के सीएमएचओ का 15 दिन का वेतन काटने के आदेश दिए गए। देवास के डीपीसी को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश भी संभागायुक्त ने दिए। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा में 6 से 14 वर्ष के बच्चों के ड्रॉप आउट मामलों में मंदसौर और आगर-मालवा की स्थिति कमजोर पाई गई। संभागायुक्त ने अधिकारियों से पूछा कि लक्ष्य पूरे क्यों नहीं हुए और अगली बैठक तक सुधार लाने के निर्देश दिए।

बैठक में कुपोषित बच्चों की स्थिति, आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के नामांकन, स्कूल परिसरों में केंद्र शिफ्ट करने और टीबी मुक्त भारत अभियान की भी समीक्षा हुई।

उज्जैन बना फूड प्रोसेसिंग का हब... 7300 करोड़ के निवेश

उज्जैन (ब्यूरो)। कभी सिर्फ कृषि उत्पादन के लिए पहचाना जाने वाला उज्जैन संभाग अब तेजी से देश के बड़े फूड प्रोसेसिंग हब के रूप में उभर रहा है।औद्योगिक निवेश को मिली रफ्तार का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। संभाग में फूड प्रोसेसिंग और एग्रो आधारित उद्योगों में 7300 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश आया है, जबकि 5800 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल चुका है। उज्जैन, देवास, मंदसौर, नीमच, रतलाम, शाजापुर और आगर-मालवा जिले अब कृषि के साथ उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था की नई पहचान बना रहे हैं। सोयाबीन, आलू, मसाले, दाल और डेयरी उत्पादों पर आधारित उद्योगों ने किसानों की उपज को सीधे बाजार से जोड़ दिया है। कंपनियां स्थानीय स्तर पर खरीद कर रही हैं, जिससे किसानों को बेहतर दाम मिल रहे हैं और बिचौलियों की भूमिका घट रही है। एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौड़ ने बताया कि सबसे बड़ा निवेश मैकेन फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने किया है। कंपनी ने 3800 करोड़ रुपए के निवेश से फ्रेंच फ्राइज उत्पादन यूनिट स्थापित की है।

जिला अस्पताल मॉक ड्रिल... कर्मचारियों ने सीखे फायर फाइटिंग के तरीके

फायर सेफ्टी वीक के तहत रोल प्ले और आपातकालीन निकासी का डॉक्टरों-नर्सों ने किया अभ्यास

उज्जैन (ब्यूरो)। जिला चिकित्सालय में बीते दिन माहौल कुछ अलग नजर आया। कहीं कर्मचारी अग्निशामक यंत्र चलाना सीख रहे थे तो कहीं अस्पताल स्टाफ को आग लगने की स्थिति में मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। फायर सेफ्टी वीक के तहत आयोजित कार्यक्रम में अस्पताल परिसर को आग जैसी आपदा से सुरक्षित रखने पर खास जोर दिया गया।

जिला चिकित्सालय में आयोजित गतिविधियों के दौरान डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारियों को बताया गया कि अस्पताल में शॉर्ट सर्किट, ऑक्सीजन यूनिट या अन्य कारणों से आग लगने पर सबसे पहले घबराने के बजाय किस तरह प्राथमिक प्रतिक्रिया देनी चाहिए। फायर ट्रेनर और फायर टीम ने मौके पर ही अग्निशामक यंत्रों का उपयोग करके आग बुझाने के तरीके समझाए। कर्मचारियों को यह भी बताया गया कि धुएं से बचाव कैसे करें और मरीजों

को सुरक्षित स्थान तक कैसे पहुंचाएं। फायर मॉक ड्रिल के दौरान अस्पताल परिसर में आपातकालीन स्थिति का अभ्यास कराया गया। इसमें स्टाफ ने वार्ड से मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने, अलार्म सिस्टम सक्रिय करने और फायर सेफ्टी उपकरणों के इस्तेमाल का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण के दौरान कई कर्मचारियों ने स्वयं अग्निशामक सिलेंडर चलाकर आग बुझाने का अभ्यास भी किया। कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता और रोल प्ले के माध्यम से भी अग्नि सुरक्षा का संदेश दिया गया। कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई कि वे अस्पताल में फायर सेफ्टी नियमों का पालन करेंगे और किसी भी आपात स्थिति में सतर्कता से काम करेंगे। सिविल सर्जन डॉ. संगीता पलसानिया ने कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों पर आग से बचाव की जानकारी हर कर्मचारी के लिए जरूरी है। छोटी सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए सतर्कता और समय पर प्रतिक्रिया सबसे बड़ा बचाव है।कार्यक्रम में आरएमओ डॉ. निधि जैन, अस्पताल प्रबंधक हिमांगी चौहान, वर्षा चौहान और इंफेक्शन कंट्रोल ऑफिसर ज्योति दास ने व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरे सप्ताह जिला चिकित्सालय में फायर ऑडिट, प्रशिक्षण और जागरूकता गतिविधियां जारी रहेंगी।

नर्मदा ट्रॉफी यूथ क्रिकेट क्लब नर्मदापुरम ने जीता सेमीफाइनल मुकाबला

नर्मदापुरम (ब्यूरो)। नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित नर्मदा ट्राफी इंटर क्लब टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल मैच यूथ क्रिकेट क्लब नर्मदापुरम और डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन हरदा के मध्य खेला गया जिसमें नर्मदापुरम ने हरदा को पहली पारी में 146 रनों की बढ़त के आधार पर हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।जानकारी देते हुए नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट संघ के मानसेवी सचिव श्री प्रदीप तोमर ने बताया कि यूथ क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिद्धार्थ भार्गव के शतक 104 रन,प्रवीण यादव के 89 रन, मार्तण्ड प्रताप सिंह के 66 रन और सौरव वर्मा के 62 रनों की मदद से दिन के 51वे ओवर में 6 विकेट पर 374 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर पारी घोषित की।हरदा की ओर से अक्षत सोलंकी और ऋषभ राठौर ने 2-2 विकेट एवं अनिमेष हथेल और गौतम कौशल ने 1-1 विकेट हासिल किया। डी सी ए हरदा की टीम अक्षत सोलंकी के शतकीय पारी 105 रन के बावजूद 70 ओवर में 228 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। यूथ क्लब के लिए सौरव वर्मा ने सर्वाधिक 4 विकेट,प्रियव्रत पटेल 2 विकेट, मोरिस,प्रवीण यादव,अथर्व दुबे और मार्तंड सिंह ने 1-1 विकेट हासिल किए।यूथ क्रिकेट क्लब नर्मदापुरम ने मुकाबले को अपने नाम कर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। यूथ क्रिकेट क्लब का फाइनल में डी सी ए बैतूल से खिताबी जंग होगी।मैच में अंपायर आदित्य राजपूत और हरीश हनोतिया एवं स्कोरर गजेंद्र सालोकी रहे।मैच के दौरान एमपीसीए मैनेजिंग कमेटी मेंबर श्री अनुराग मिश्रा सर,मनोहर बिल्थरिया,नितेश राजपूत, चेतन राजपूत सहित ग्राउंड स्टाफ मौजूद रहा।

पंडित ,रामलाल शर्मा सीबीएसई स्कूल में निशुल्क ग्रीष्मकालीन उत्साह समर कैंप का भव्य शुभारंभ !

नर्मदापुरम (ब्यूरो)। पंडित रामलाल शर्मा सीबीएसई स्कूल में आज से एक महीने के मस्ती और सीखने के सफर की शुरुआत हो गई है!

पहले दिन स्विमिंग पूल की छप-छप, बैडमिंटन कोर्ट के स्मैश और योग की शांति से कैंपस गूंज उठा। बच्चों का जोश देखते ही बना! कब तक- 10 मई से 10 जून 2026 कहाँ- पंडित रामलाल शर्मा सीबीएसई स्कूल बुधवारा हरदा बाईपास रोड नर्मदापुरम स्कूल के संचालक महोदय श्री अरुण शर्मा जी ने बच्चों का हौसला बढ़ाया। पंडित रामलाल शर्मा सीबीएसई स्कूल के प्राचार्य श्री अरुण अग्रवाल जी ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। ग्रीष्मकालीन उत्साह समर कैंप में बैडमिंटन कोर्ट पर बच्चे सीख रहे हैं खेल के साथ अनुशासन स्कूल के कोच श्री प्रवीण मीना के मार्गदर्शन में पहले दिन ही सबका एनर्जी लेवल हाई स्कूल के कोच श्री प्रवीण मीना, स्विमिंग कोच पवन मांझी व सतीश मेहरा के मार्गदर्शन में बच्चे नए हुनर सीखेंगे।

ताराघाटी में 2.70 लाख की लूट के दो बदमाश गिरफ्तार, चार अब भी फरार

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले के सरदारपुर और रिंगनोद क्षेत्र के ताराघाटी इलाके में 5 मई को हुई 2.70 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट का खुलासा करते हुए सरदारपुर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से लूट की नकद राशि और वारदात में इस्तेमाल बाइक सहित कुल 1.61 लाख रुपये का माल बरामद किया है। इस वारदात को बदमाशों ने दो टोलियां बनाकर अंजाम दिया था।

रविवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारूल बेलापुरकर ने पत्रकार वार्ता में बताया कि ग्राम चामझर निवासी पप्पू पिता केलसिंह अनारे अपनी पत्नी के साथ रिंगनोद आए थे। यहां उन्होंने चांदी गिरवी रखकर 2,70,000 रुपये लिए थे। जब वे वापस लौट रहे थे, तभी टांडा रोड वन चौकी के पास अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर गिरा दिया और पैसों से भरा बैग लेकर फरार हो गए थे।

एसपी सचिन शर्मा के निर्देशन में गठित विशेष टीमों ने वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। साइबर सेल की मदद से सुराग जुटाए गए। 9 मई को मुखबिर से पक्की सूचना मिली कि इस कांड के पीछे भीलखेड़ी का गोकुल हरिसिंह 18 वर्ष और कालीदेवी का मुकाम धन सिंह 22 वर्ष शामिल हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को धर दबोचा। लूट के बाद सभी ने आपस में रकम बाट ली थी।

पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से 1,01,000 रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

वारदात में शामिल लोकेश डावर, सन्नी डावर, राजेश डावर और नन्नू डावर (सभी निवासी कालीदेवी) फिलहाल पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। पुलिस टीमें इनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं।

ब्रीफ न्यूज़

खेत में खड़े होकर देनी होगी रिपोर्ट, एमपी सरकार ने लॉन्च किया हाईटेक 'सार्थक' सिस्टम

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने 'कृषि कल्याण वर्ष' के संकल्प को जमीन पर उतारने के लिए कृषि विभाग में बड़ा डिजिटल बदलाव किया है। अब कृषि अधिकारियों और कर्मचारियों की हर फील्ड गतिविधि पर सरकार की सीधी निगरानी रहेगी। विभागीय अमला अब दफ्तर में बैठकर फर्जी फील्ड विजिट रिपोर्ट तैयार नहीं कर सकेगा, बल्कि उन्हें खेत पर मौजूद रहकर ही मोबाइल एप के जरिए रियल टाइम रिपोर्टिंग करनी होगी।

सरकार ने इसके लिए 'सार्थक' एप यानी समेकित लक्षित विस्तार क्षेत्र भ्रमण प्रबंधन प्रणाली लागू की है। यह पूरी व्यवस्था जियो-फेंसिंग और जियो-टैगिंग तकनीक पर आधारित है। यानी कर्मचारी जब तक वास्तविक खेत या निर्धारित क्षेत्र में मौजूद नहीं होगा, तब तक एप उसकी रिपोर्ट स्वीकार नहीं करेगा।

नई व्यवस्था के तहत कृषि विस्तार अधिकारी को किसान के खेत पर जाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। कर्मचारी की लाइव लोकेशन सीधे सिस्टम से मैच होगी। साथ ही मौके की लाइव फोटो भी अपलोड करनी होगी। इससे कागजों पर दिखाए जाने वाले फर्जी दौरों और खानापूर्ति पर रोक लगेगी।

सरकार का मानना है कि इससे फील्ड में कर्मचारियों की वास्तविक मौजूदगी सुनिश्चित होगी और किसानों तक योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंचेगा।

सुप्रीम कोर्ट से रेलवे को झटका, अब देना होगा क्रॉस सब्सिडी और अतिरिक्त सरचार्ज

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने बिजली खरीद से जुड़े एक अहम मामले में भारतीय रेलवे को बड़ी राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने रेलवे की उस मांग को खारिज कर दिया, जिसमें उसने खुद को 'डीम्ड डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसी' मानते हुए क्रॉस सब्सिडी सरचार्ज (CSS) और अतिरिक्त सरचार्ज (AS) से छूट देने की अपील की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने अपीलेट ट्रिब्यूनल फॉर इलेक्ट्रिसिटी (APTEL) के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि रेलवे का बिजली नेटवर्क मुख्य रूप से उसकी अपनी खपत और ट्रैक्शन जरूरतों के लिए इस्तेमाल हो रहा है। रेलवे आम उपभोक्ताओं को बिजली वितरण नहीं कर रहा, इसलिए उसे बिजली वितरण लाइसेंसधारी जैसी छूट नहीं मिल सकती।

अदालत ने साफ किया कि रेलवे को अन्य बड़े ओपन एक्सेस उपभोक्ताओं की तरह क्रॉस सब्सिडी सरचार्ज और अतिरिक्त सरचार्ज का भुगतान करना होगा।

रेलवे का तर्क था कि बिजली अधिनियम-2003 के तहत उसे 'डीम्ड डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसी' माना जाना चाहिए। यदि ऐसा होता तो रेलवे खुले बाजार से खरीदी गई बिजली पर ड्यूटी और अतिरिक्त सरचार्ज देने से बच सकता था।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला-सिर्फ अध्यक्ष के आदेश से निजी जमीन नहीं बन सकती वक्फ संपत्ति

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने वक्फ संपत्तियों को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि केवल वक्फ बोर्ड अध्यक्ष के निर्देश पर किसी निजी जमीन को वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि वक्फ बोर्ड एक बहु-सदस्यीय संस्था है और उसका निर्णय सामूहिक प्रक्रिया से होना चाहिए, अध्यक्ष अकेले पूरे बोर्ड का विकल्प नहीं हो सकते।

जस्टिस दीपक खोत की एकलपीठ ने खालिदा बी और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें निजी स्वामित्व वाली जमीन को मोहम्मदपुरा गांव स्थित कब्रिस्तान वक्फ संपत्ति में शामिल कर लिया गया था।

याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट को बताया गया कि संबंधित जमीन उन्होंने विधिवत पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से खरीदी थी। इसके बावजूद वर्ष 2012 में वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (CEO) ने वक्फ अधिनियम की धारा-41 का हवाला देते हुए इस जमीन को कब्रिस्तान वक्फ संपत्ति का हिस्सा घोषित कर दिया।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि यह कार्रवाई नियमों और कानूनी प्रक्रिया के विपरीत थी, क्योंकि बिना उचित सर्वे और अधिसूचना के किसी निजी संपत्ति को वक्फ में शामिल नहीं किया जा सकता।

एमपी में लौटेगी झुलसाने वाली गर्मी

आंधी-बारिश का दौर खत्म, 12 मई से कई जिलों में लू का अलर्ट; रतलाम 44 डिग्री के साथ सबसे गर्म

भोपाल। मध्यप्रदेश में पिछले कई दिनों से जारी आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का दौर अब थमने लगा है। मौसम साफ होते ही प्रदेश में एक बार फिर भीषण गर्मी दस्तक देने जा रही है। मौसम विभाग ने 12 मई से कई जिलों में हीट वेव यानी लू चलने की चेतावनी जारी की है। अगले दो से तीन दिनों में तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होने की संभावना है। राजधानी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर समेत अधिकांश शहरों में दिन के तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक उछाल आने के संकेत हैं।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में सक्रिय ट्रफ लाइन और चक्रवाती परिसंचरण कमजोर पड़ रहे हैं, जिससे बादलों और बारिश का असर कम होगा। इसके बाद तेज धूप और गर्म हवाओं का प्रभाव बढ़ेगा। रविवार से ही गर्मी का असर दिखाई देना शुरू हो सकता है, जबकि 12 और 13 मई को पश्चिमी मध्य प्रदेश के कई इलाकों में लू चलने की संभावना जताई गई है।

शनिवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदला रहा। रायसेन, बैतूल, सिवनी, पांढुर्णा, डिंडौरी, विदिशा, राजगढ़, सागर, जबलपुर, दमोह, बालाघाट, मंडला, उमरिया और छिंदवाड़ा सहित कई जिलों में हल्की बारिश और तेज हवाएं चलीं। कई स्थानों पर दिनभर बादल छाए रहने से लोगों को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन उमस ने परेशान किया।

बारिश के बीच भी प्रदेश के कई शहरों में तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच गया। रतलाम प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाजापुर में 43.8 डिग्री, धार में 42.6 डिग्री, खरगोन में 42 डिग्री और गुना में 41.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। बड़े शहरों में उज्जैन 42.5 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। इंदौर में 42 डिग्री, भोपाल में 41 डिग्री, जबलपुर में 39.2 डिग्री और ग्वालियर में 38.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

मई के शुरुआती दिनों में लगातार बदलते मौसम के कारण इस बार गर्मी का असर अपेक्षाकृत कम महसूस किया गया था। 30 अप्रैल से पश्चिमी विक्षोभ, ट्रफ लाइन और साइक्लोनिक सिस्टम सक्रिय रहने से प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और आंधी का दौर जारी था। हालांकि अब मौसम साफ होने के साथ गर्मी तेजी से अपना रौद्र रूप दिखा सकती है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान लगातार बढ़ेगा और प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों में लू का असर ज्यादा रहेगा।

मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि दोपहर के समय बिना जरूरत घर से बाहर निकलने से बचें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें और हल्के सूती कपड़े पहनें। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है, क्योंकि तेज गर्मी और लू स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती है।

प्रदेश में मौसम के इस बदलते मिजाज ने साफ कर दिया है कि अब बारिश की राहत खत्म होने वाली है और आने वाले दिनों में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

सीएम के कार्यक्रम में लापरवाही पर कार्रवाई, कोतवाली टीआई लाइन अटैच

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाओं में कथित लापरवाही सामने आने पर भोपाल पुलिस कमिश्नरेट ने बड़ी कार्रवाई की है। कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक काशीराम कुशवाह को तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया गया है। यह कार्रवाई डीसीपी आयुष गुप्ता ने अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त शालिनी दीक्षित द्वारा भेजे गए पत्र के आधार पर की है।

जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर शहर में सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं की विशेष तैयारी की गई थी। कार्यक्रम के जुलूस मार्ग और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। आरोप है कि कोतवाली थाना क्षेत्र में तय निर्देशों का पालन ठीक ढंग से नहीं हुआ, जिससे कार्यक्रम व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी।

सूत्रों के अनुसार अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त शालिनी दीक्षित ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित मार्ग पर सुरक्षा प्रबंधन और समन्वय में गंभीर कमी दिखाई दी। इसी आधार पर डीसीपी ने विभागीय कार्रवाई करते हुए टीआई काशीराम कुशवाह को पुलिस लाइन भेजने के आदेश जारी किए।

पुलिस विभाग में इस कार्रवाई को अनुशासनात्मक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री जैसे वीवीआईपी कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाता है।

भोपाल के बड़े तालाब में मिली नवविवाहिता की लाश, दो दिन से थी लापता

भोपाल। राजधानी भोपाल के श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र स्थित बोट क्लब बड़े तालाब से रविवार सुबह एक युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान गौतम नगर निवासी 28 वर्षीय सोनिका ठाकुर के रूप में हुई है। वह पिछले दो दिनों से घर से बिना बताए गायब थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक सोनिका ठाकुर की शादी 18 अप्रैल 2024 को नर्मदापुरम निवासी रूपेश ठाकुर से हुई थी। शादी के करीब 16 दिन बाद वह मेहमानी के लिए मायके भोपाल आई थी, लेकिन इसके बाद दोबारा ससुराल नहीं लौटी। पति रूपेश ने बताया कि उसने कई बार पत्नी से वापस न आने का कारण पूछा, लेकिन सोनिका ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

पति के अनुसार 7 मई को आखिरी बार दोनों की फोन पर बात हुई थी। उस दौरान सोनिका ने कहा था कि मुझे लेने आ जाओ। शनिवार को रूपेश नर्मदापुरम से भोपाल आने की तैयारी कर रहा था और उसने पत्नी को कई बार कॉल किए, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। देर रात सोनिका के पिता ने उसे कॉल कर बताया कि उसकी पत्नी का शव बड़े तालाब में मिला है।

श्यामला हिल्स थाना पुलिस के मुताबिक रविवार सुबह रंजीत होटल के पास सेल्फी पॉइंट के करीब नगर निगम के सुपरवाइजर अशोक ने पानी में महिला का शव तैरता देखा। सफाई कार्य के दौरान शव दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया।

एसआई मोहन शर्मा ने बताया कि मृतका की पहचान उसकी जेब में मिले मोबाइल फोन के आधार पर की गई। पुलिस को मृतका की जींस की जेब से एक माचिस, मोबाइल फोन और 50 रुपए का नोट भी मिला, जिसे बाद में उसके भाई को सौंप दिया गया।

एमबीबीएस छात्रा की मौत के तीन महीने बाद हॉस्टल संचालक की आत्महत्या, पत्नी ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

भोपाल। राजधानी भोपाल में गांधी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस छात्रा रोशनी की संदिग्ध आत्महत्या का मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। छात्रा की मौत के करीब तीन महीने बाद उसी निजी छात्रावास के संचालक विजय राठौर ने भी आत्महत्या कर ली। इस घटना ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया है। विजय राठौर की पत्नी करूणा राठौर ने कोहेफिजा पुलिस और छात्रा के परिजनों पर मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि लगातार पूछताछ, दबाव और धमकियों के कारण विजय मानसिक रूप से टूट चुके थे।

जानकारी के मुताबिक विजय राठौर कोहेफिजा इलाके में निजी छात्रावास संचालित करते थे, जहां गांधी मेडिकल कॉलेज सहित अन्य संस्थानों की छात्राएं किराये पर रहती थीं। करीब चार महीने पहले स्वर्गीय छात्रा रोशनी भी इसी हॉस्टल में रहने आई थी। 9 और 10 फरवरी की दरमियानी रात रोशनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। शुरुआती जांच में पुलिस ने इसे आत्महत्या माना था। बताया गया था कि छात्रा ने नशीले इंजेक्शन का इस्तेमाल कर जान दी। हालांकि घटना के बाद छात्रा के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस कार्रवाई पर सवाल खड़े किए थे।

घटना के बाद छात्रा के परिजनों ने कोहेफिजा थाने का घेराव भी किया था। उनका कहना था कि यदि रोशनी आत्महत्या करना चाहती तो कमरे में करती, बाथरूम में जाकर ऐसा कदम क्यों उठाती। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। इसी दौरान पुलिस ने हॉस्टल संचालक विजय राठौर सहित अन्य लोगों से लगातार पूछताछ शुरू की थी।

अब विजय राठौर की आत्महत्या के बाद उनकी पत्नी करूणा राठौर सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रा की मौत के बाद से ही पुलिस उनके पति को लगातार थाने बुलाती थी। कई-कई घंटे तक बैठाकर पूछताछ की जाती थी। करूणा का दावा है कि विजय हर बार घर लौटने के बाद बेहद तनाव में दिखाई देते थे। उन्होंने कहा कि छात्रा के परिजन भी बार-बार झूठे केस में फंसाने की धमकी देते थे, जिससे उनका परिवार मानसिक दबाव में था।

करूणा राठौर का कहना है कि पुलिस को छात्रा के मोबाइल से सुसाइड नोट मिल चुका था, जिसमें रोशनी ने खुद पढ़ाई के दबाव और मानसिक तनाव का जिक्र किया था। इसके बावजूद विजय को संदेह के घेरे में रखकर लगातार परेशान किया गया। पत्नी के मुताबिक विजय बार-बार कहते थे कि उन्होंने कोई गलती नहीं की, लेकिन उन्हें अपराधी जैसा व्यवहार झेलना पड़ रहा है।

सूत्रों के मुताबिक रोशनी पढ़ाई को लेकर लंबे समय से तनाव में थी। उसके मोबाइल में मिले नोट में लिखा था कि NEET पास करना अलग बात है, लेकिन MBBS की पढ़ाई का दबाव बहुत ज्यादा है और वह इसे संभाल नहीं पा रही। पुलिस ने उस समय इसी आधार पर आत्महत्या का मामला दर्ज किया था। हालांकि छात्रा के परिवार ने इस थ्योरी को स्वीकार नहीं किया।

वीआईपी कल्चर जनता के लिए परेशानी का कारण

चंद्रकांति आर्य

वीआईपी कल्चर नगरों और महानगरों में एक गंभीर समस्या बन गई है जिससे आम जनता को रोजाना काफी कठिनाई होती है हाल के दिनों में इस मुद्दे पर काफी चर्चा भी हुई है बड़े शहरों में वीआईपी संस्कृति से जुड़ी काफी दिक्कतें हैं जब भी किसी वीआईपी का काफिला निकलता है तो सुरक्षा कारणों से मुख्य सड़कों को 10 से 20 मिनट या उससे ज्यादा समय के लिए पूरी तरह बंद कर दिया जाता है। बड़े शहरों की पहले से ही व्यस्त सड़कों पर यह बॉटलनेक का काम करता है जिससे किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है। इमरजेंसी सेवाओं पर भी असर पड़ता है अक्सर देखा गया है कि वीआईपी मूवमेंट के दौरान एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन गाड़ियां भी जाम में फस जाती है। जो जान माल के लिए जोखिम भरा हो सकता है।इससे समय की बर्बादी भी होती है ।वीआईपी कल्चर की वजह से दफ्तर जाने वालों और विद्यार्थियों का काफी समय सड़कों पर बर्बाद हो जाता है ।आम जनता में आक्रोश बढ़ जाता है लोकतंत्र में सड़कों पर सबका समान अधिकार होना चाहिए, ऐसा लोगों का मानना है। सुरक्षा प्रोटोकॉल के और सार्वजनिक सुविधाओं के लिए पुलिस को वीआईपी की सुरक्षा और आम जनता की सुविधा के लिए तालमेल बैठाना एक बड़ी चुनौती होती है। कई बार वीआईपी मूवमेंट के दौरान भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी जाती है। जिससे सप्लाई चैन और व्यापार पर भी असर पड़ता है। इन दिक्कतों को देखते हुए अब मांग की जा रही है की वीआईपी मूवमेंट के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता निकाला जाए या तकनीकी का सहारा लेकर ट्रैफिक को बेहतरीन तरीके से मैनेज किया जाए। बड़े शहरों में वीआईपी आवाजाही के कारण लगने वाले ट्रैफिक जामो से जनता को होने वाली असुविधा एक गंभीर समस्या है ।सुरक्षा और सुगमता के बीच संतुलन बनाने के लिए कुछ व्यावहारिक विकल्प और सरकारी कदम इस तरह हो सकते हैं । कई प्रशासनिक और राजनीतिक कार्यों के लिए वीआईपी का भौतिक रूप से उपस्थित होना अनिवार्य नहीं है तो वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से यात्राओं की संख्या कम की जा सकती है। विकसित देशों की तर्ज पर सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वीआईपी के लिए अन्य वैकल्पिक साधनों का उपयोग किया जा सकता है जिससे सड़कों पर कारों का काफिला कम हो। वीआईपी आवाजाही को पीक आवर्स जब लोग ऑफिस और बच्चे स्कूल जाते हैं, के बजाय ऐसे समय पर रखा जाए जब सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम हो। सरकार द्वारा उठाए जाने वाले प्रभावी कदम स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल ट्रैफिक सिस्टम का उपयोग जो वीआईपी वहां के गुजरते ही तुरंत सामान्य ट्रैफिक को सुचारू कर दें । अस्पताल और वीआईपी मूवमेंट के लिए अलग लाइन या अंडरपास का निर्माण ताकि मुख्य मार्ग बाधित न हो वीआईपी मूवमेंट की जानकारी पहले से ही नेविगेशन एप्स, गूगल मैप्स और रेडियो पर देना ताकि जनता वैकल्पिक मार्ग चुन सके। सुरक्षा की समीक्षा कर काफिले में वाहनों की संख्याओं को न्यूनतम भी किया जा सकता है वैकल्पिक सुरक्षा मॉडल सुरक्षा एजेंसियों को जारी ट्रैफिक के बजाय नॉनस्टॉप मूवमेंट मॉडल पर काम करना चाहिए इसमें सड़कों को पूरी तरह बंद करने की बजाय केवल उस जगह के लिए रोका जाता है जब काफिला वहां से गुजर रहा हो और काफिला निकलते ही तुरंत ट्रैफिक खोल दिया जाता है इन कदमों से न केवल आम आदमी का कीमती समय बचेगा बल्कि ईंधन की खपत और प्रदूषण में भी कमी आएगी। बड़े शहरों की भाग दौड़ और वीआईपी संस्कृति से कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं बड़े शहरों में जब किसी विशेष व्यक्ति के लिए यातायात रोका जाता है या नियमों में ढील दी जाती है तो इसके परिणाम केवल असुविधाजनक नहीं बल्कि घातक होते हैं ,जब वीआईपी मूवमेंट के कारण ट्रैफिक रुकता है तो लाखों कामकाजी घंटो का नुकसान होता है। शहरों में अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ता है। कई बार करोड़ का नुकसान भी होता है आपातकालीन सेवाओं में भी बाधाएं आती है। सबसे हृदयविदारक स्थिति तब होती है जब वीआइपी काफिले के कारण एंबुलेंस या फायर ब्रिगेड जाम में फंस जाती है किसी के सुरक्षा के लिए किसी और के जीवन को जोखिम में डालना इस शहरों की सबसे बड़ी विडंबना है घंटे जाम में फंसने से आम नागरिकों में झुंझलाहट और रोड रेज बढ़ता है। यह सामाजिक असंतोष की भावनाओं को जन्म देता है, जहां नागरिक खुद को दोयम दर्जे का महसूस करने लगता है। भविष्य के लिए एक नई राह हैं वीआईपी सुरक्षा और जनहित के बीच एक संतुलन सेतु बनाने की आवश्यकता है। भौतिक रूप से रास्ता रोकने की बजाय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके डायनेमिक ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाना चाहिए जिससे काफिला भी निकलता है और पीछे का ट्रैफिक भी चलता रहे। से हवाई और जल मार्ग का विकल्प भी ले सकते हैं । महत्वपूर्ण व्यक्तियों के आवागमन के लिए, हेलीकॉप्टर सेवाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि सड़कों पर दबाव कम हो और कार्यक्रमों को सुबह या शाम के विशेष समय के बजाय रात के समय या दोपहर में निर्धारित किया जाना चाहिए। प्रोटोकॉल में सादगी को अपनाना चाहिए, सुरक्षा जरूरी है लेकिन दिखावा नहीं। वीआईपी काफिलो में गाड़ियों की संख्या कम करना चाहिए। सायरन का न्यूनतम प्रयोग करना केवल ध्वनि प्रदूषण नहीं घटाएगा बल्कि जनता के मन में सम्मान भी जगाएगा। शहरों के असली वीआईपी यहां की आम जनता है जो हर परिस्थिति में इस शहर को चलाए रखती है। यदि प्रशासन और नीति निर्धारक तकनीक और संवेदनशीलता का सही मिश्रण अपनाए तो हम एक ऐसी व्यवस्था देख पाएंगे जहां सुरक्षा का अर्थ किसी की राह रोकना नहीं बल्कि सबकी राह आसान करना होगा। यह बदलाव केवल नीतियों में नहीं बल्कि हमारी राजनीतिक सोच में भी अनिवार्य है। देश में भले ही वीआईपी कल्चर को खत्म करने के लिए कई कदम उठाए गए हो लेकिन हकीकत आज भी आम जनता के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। सड़कों पर वीआईपी मूवमेंट के दौरान घंटे ट्रैफिक रोक दिया जाता है जिससे आम लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। सरकार समय-समय पर वीआईपी कल्चर खत्म करने की बात जरूर करती है लेकिन जमीनी स्तर पर उसका असर सीमित नजर आता है। अब सवाल यह उठता कि आखिर कब तक आम आदमी विशेष अधिकार की कीमत चुकाता रहेगा ?यह विचारणीय है, इसके लिए वीआईपी सुरक्षा और जनहित के बीच एक संतुलन सेतु बनाने की आवश्यकता है।

(लेखिका साहित्यकार हैं और समसामयिक मुद्दों पर लिखती हैं)

दूसरी पत्नी बनने से किया इनकार, सनकी आशिक ने कटर से रेता गला

मंडीदीप में दिनदहाड़े खौफनाक वारदात, मां के सामने बेटी की हत्या; 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। मंडीदीप के प्रेम नगर इलाके में गुरुवार दोपहर हुई एक दिल दहला देने वाली हत्या ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया। एक शादीशुदा युवक ने दूसरी पत्नी बनने से इनकार करने पर 26 वर्षीय युवती की बेरहमी से गला काटकर हत्या कर दी। वारदात उस समय हुई जब युवती अपनी मां के साथ घर में मौजूद थी। आरोपी ने मां के सामने ही युवती पर कटर से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आई मां भी घायल हो गईं। घटना के बाद इलाके में चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान मनोज अहिरवार के रूप में हुई है, जो सीहोर जिले के भैरवपुर का रहने वाला है और पहले से शादीशुदा है। बताया जा रहा है कि मनोज लंबे समय से युवती पर अपने साथ रहने और दूसरी पत्नी बनने का दबाव बना रहा था। युवती लगातार उसका विरोध कर रही थी और उससे दूरी बना चुकी थी। इसी बात से आरोपी अंदर ही अंदर गुस्से में था।

गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे आरोपी अचानक युवती के घर पहुंचा। उसने फिर युवती को अपने साथ चलने और पत्नी की तरह रहने के लिए कहा। युवती और उसकी मां ने साफ शब्दों में मना कर दिया। इसी बात पर घर के अंदर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने जेब से कटर निकाल लिया और युवती के गले पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमला इतना खौफनाक था कि युवती खून से लथपथ होकर मौके पर ही गिर पड़ी।

अपनी बेटी को बचाने के लिए मां आरोपी से भिड़ गईं, लेकिन आरोपी ने उन्हें भी धक्का देकर घायल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद वह मौके से फरार हो गया। आसपास के लोग जब तक घर पहुंचे, तब तक युवती दम तोड़ चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

दिनदहाड़े हुई इस हत्या से पूरे मंडीदीप में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी काफी समय से युवती को परेशान कर रहा था। कई बार उसे समझाया भी गया, लेकिन वह अपनी जिद छोड़ने को तैयार नहीं था। घटना के बाद इलाके में गुस्सा और डर दोनों का माहौल देखने को मिला।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल विशेष टीमों का गठन किया। साइबर सेल, मुखबिर तंत्र और तकनीकी निगरानी की मदद से आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई। जांच में पता चला कि आरोपी भोपाल की ओर भाग रहा है। इसके बाद पुलिस ने जगह-जगह नाकेबंदी की और महज 24 घंटे के भीतर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी ने कहा कि युवती लगातार उसे ठुकरा रही थी, जिससे वह अपमानित महसूस कर रहा था। इसी गुस्से में उसने हत्या की साजिश बनाई और कटर लेकर युवती के घर पहुंचा।

फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा और जुनूनी मानसिकता वाले अपराधियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इलाके के लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आरोपी पर सख्त कार्रवाई होती, तो शायद एक बेटी की जान बचाई जा सकती थी।

संपादकीय

वरदान, सत्ता और लोकतंत्र : पौराणिक इतिहास इस कलयुग में ?

भारतीय पौराणिक कथाओं में भस्मासुर की कथा केवल शक्ति के मद की कथा है, जिसमें व्यक्ति विवेक को खो देता है। सत्ता, अहंकार और विवेक के संतुलन का गहरा संदेश भस्मासुर की कथा है। कथा के अनुसार भगवान शिव ने तपस्या से प्रसन्न होकर भस्मासुर को वरदान दिया। वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा, वह भस्म हो जाएगा। वरदान से शक्ति प्राप्त करते ही भस्मासुर वरदान की शक्ति के मद में इतना अंधा हो गया, उसने अपने ही आराध्य देव शिव पर ही हाथ रखने का प्रयास किया। अंततः भगवान शिव को अपने ही दिये गए वरदान के कारण भागना पड़ा। उन्हें बचाने के लिए भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर भस्मासुर को स्वयं के विनाश की ओर प्रेरित किया। यह कथा आज के लोकतांत्रिक भारत के संदर्भ में भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी है। जहां जनता अपने आपको ढगा महसूस कर रही है। लोकतंत्र में जनता ही वास्तविक शक्ति का स्रोत है। जनता अपने मत के माध्यम से किसी सरकार को सत्ता का 'वरदान' देती है। 2014 के बाद भारत में स्थापित वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था, जनता की व्यापक आशाओं, बदलाव की इच्छा और विकास के वादों के आधार पर जनता के वरदान से सत्ता में आई। प्रारंभिक वर्षों में भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्ती, मजबूत नेतृत्व और आर्थिक सुधारों के दावों ने लोगों में सरकार के प्रति नया विश्वास पैदा किया। समय बीतने के साथ समाज के एक बड़े वर्ग में यह भावना विकसित हुई है। सत्ता पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। जनता के बीच में सरकार की दूरी बढ़ती जा रही है। आज देश में बढ़ती महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है। बेरोजगारी युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतें महंगी होती जा रही हैं, आम जनता कर्ज के बोझ से दबती जा रही है। जबकि दूसरी ओर बड़े उद्योगपतियों और पूंजीपतियों को मिलने वाली सुविधाएं बढ़ती चली जा रही है। यह धारणा मजबूत हुई है कि आर्थिक नीतियों का लाभ समाज के ऊपरी वर्ग तक अधिक सीमित हो रहा है, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग 2 वक्त के भोजन के लिये संघर्षरत है। गरीबों पर टेक्स बढ़ता जा रहा है। अमीरों के टेक्स घटाये जा रहे हैं। गरीबों के लिये अलगनियम और कानून है। अमीरों के लिये अलग कानून है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत समानता और समान न्याय का सिद्धांत है। जब समाज में यह भावना जन्म लेने लगे, गरीबों और अमीरों के लिए कानून और न्याय की व्यवस्था अलग-अलग तरीके से काम कर रही है, तब लोकतंत्र कमजोर होने लगता है। सत्ता यदि गरीबों की नहीं सुनती है, बल्कि जनता को भार समझने लगे, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर प्रश्न उठने लगे। आम नागरिक स्वयं को असहाय महसूस करने लगे, तो यह स्थिति चिंताजनक हो जाती है। वर्तमान स्थिति में भस्मासुर की कथा एक ज्ञान के रूप में सामने आती है। जनता द्वारा दी गई शक्ति से बनी सरकार यदि जनता के हितों से दूर जाकर, निजी स्वार्थ और सत्ता संरक्षण, प्रचार और चुनिंदा लोगों के हित में केंद्रित हो जाए, तो वही शक्ति अंततः विश्वास को कमजोर कर सकती है, जो अंत का कारण बनता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में ही होता है। चुनाव, जनमत और लोकतांत्रिक संस्थाएं वही 'मोहिनी' हैं, जो सत्ता में बैठे लोगों में अहंकार और असीमित सत्ता के मद में झोंककर भस्मासुर की तरह उनका अंत करने का कारण बनती है। भारत का लोकतंत्र केवल सरकारों से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों से मजबूत होता है। आवश्यक है, जनता सरकार से प्रश्न पूछे, सरकार को उसके कर्तव्य के प्रति जवाबदेह बनाये। सत्ता में बैठे लोग यह याद रखें कि लोकतंत्र में जनता द्वारा दिया गया हर 'वरदान' स्थायी नहीं होता। जनता जब चाहती है, वही शक्ति परिवर्तन का माध्यम भी बन जाती है। जनता का स्वरुप भीड़ में है। भीड़ में ज्ञान नहीं होता है। भीड़ समूह की शक्ति है, जिसकी ताकत असीमित होती है। कोई भी सेना, सरकार, पुलिस, न्यायपालिका इस भीड़ का मुकाबला नहीं कर सकती है। आम जनता की इस ताकत को सरकार और कार्यपालिका में बैठे लोग समझें। सत्ता के मद में मदहोश सत्ताधीशों ने इस वास्तविकता को नहीं समझा, तो भस्मासुर की तरह वह स्वयं का अंत कर बैठेंगे।

- सनत जैन

कहानी

अनकहा अध्याय-पिता

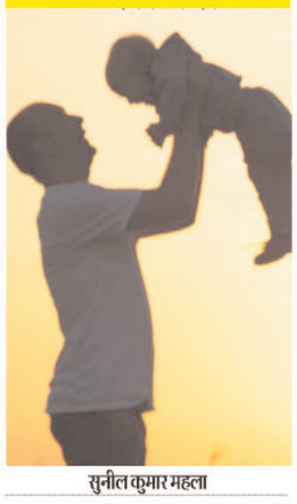

सुनील कुमार महला

रात काफी गहरी हो चली थी।घड़ी की सुइयां साढ़े दस बजा रहीं थीं और अब शहर की सड़कों पर धीरे-धीरे सन्नाटा उतरने लगा था। फैक्टरी की मशीनों की तेज आवाज के बीच आदित्य अपनी दूसरी शिफ्ट पूरी कर रहे थे। पसीने से भीगा उनका चेहरा थकान से भरा था, मैले-कुचैले से कपड़े, लेकिन आंखों में एक अजीब-सी चमक थी-अपने बेटे साहिल के भविष्य की चमक।तभी उनके बटन वाले छोटे से पुराने मोबाइल की घंटी बजी। उन्होंने मशीन बंद कर जेब से मोबाइल निकाला।हैलो पापा ! उधर से साहिल की आवाज आई।हाँ बेटा, बोलो। नमस्ते पापा, वो मैंने आपको इसलिए फोन किया कि मैं अपने लिए ढाई हजार के जूते और दो जींस की पैंट तथा तीन शर्ट ऑर्डर कर रहा हूँ। पापा ! मैं जिस कोचिंग में जाता हूं वहां सभी बच्चे रोज़ नए-नए कपड़े पहनकर आते हैं। मुझे पुराने जूतों और कपड़ों में असहजता महसूस होती है।कुछ पल के लिए आदित्य चुप हो गए। उनकी नजर अपने फटे तथा घिसे हुए जूतों पर गई, जिनकी सिलाई कई जगह से उधड़ चुकी थी। शर्ट का कॉलर भी घिस चुका था। पिछले तीन सालों से वही जूते और वही पुराने कपड़े वह पहन रहे थे।लेकिन अगले ही पल उन्होंने मुस्कराकर कहा-कोई बात नहीं बेटा, तुम कल ऑर्डर कर दो। सात-आठ हजार रुपए की ही तो बात है। मैं कहीं से अरेंज कर दूँगा। बस तुम अच्छी तरह पढ़ना। तुम्हारी खुशी से बढ़कर मेरे लिए कुछ भी नहीं है बेटा !थैंक यू पापा! कहकर साहिल ने फोन रख दिया। आदित्य ने गहरी सांस ली। उन्होंने खाना भी अभी तक नहीं खाया था और उनकी जेब में केवल बारह सौ रुपए थे। महीने का किराया बाकी था, दूध के पैसे भी दूध वाले को चुकाने थे और घर में राशन भी कम था, लेकिन बेटे की खुशी के आगे उन्हें अपनी हर परेशानी छोटी लगती थी। फैक्टरी से लौटते समय देर रात तक खुली उन्होंने चाय की एक थड़ी पर बैठकर घर से कपड़े में बांध कर लाई दो सूखी रोटियां और चाय से पेट भरा। साथी मजदूर सुरेश ने उनसे पूछा-आदित्य, कब तक अपने पेट के गांठ लगाते रहोगे ? तुम दिन-रात जी-तोड़ मेहनत करते हो। बच्चों की सभी इच्छाओं की पूर्ति के लिए कब तक आखिर खुद को यूँ तकलीफ देते रहोगे? कभी तो थोड़ा-बहुत अपने लिए भी सोच लिया करो। आदित्य के सूखे लबों पर हल्की-सी मुस्कराहट थी-हम जैसे बाप अपने लिए कहाँ जीते हैं सुरेश... हमारी खुशी तो बच्चों के सपनों में निहित होती है। और हमारा क्या है, हमें तो कम में जीने की आदत पड़ चुकी है। घर पहुँचते-पहुँचते रात के बारह बज चुके थे। उनकी पत्नी ज्योत्स्ना दरवाजे पर उनक बड़ी देर से इंतजार कर रही थी। आज बहुत देर लगा दी। इतनी देर कहां हुई। खाना लगा दूँ आपके लिए, भूख लगी होगी। नहीं, घर से जो रोटियां बांधकर दीं थीं, खा लिया बाहर।ज्योत्स्ना समझ गई कि उन्होंने फिर झूठ बोला है। वह जानती थी कि आदित्य अक्सर पैसे बचाने के लिए भूखे ही रह जाते हैं। यहां तक कि चाय भी बहुत बार नहीं पीते हैं। अगले दिन आदित्य ने फैक्टरी मालिक से एडवांस मांगा, लेकिन मालिक ने साफ मना कर दिया और कहा-आदित्य अभी तो महीना पूरा भी नहीं हुआ, और तुम्हें काम से पहले ही दाम चाहिए। निराश होकर वे बाहर निकले। तभी उनकी नजर अपनी पुरानी स्कूटी पर पड़ी। वही स्कूटी जिससे वे वर्षों से फैक्टरी जाते थे। .....

(साभार)

धन्यवाद, पश्चिम बंगाल, धन्यवाद

सीए अखिलेश जैन

धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद ..... न केवल धन्यवाद, बारम्बार धन्यवाद, हार्दिक बधाइयाँ आपके दूरदृष्टिपूर्ण, साहसिक सुविचारित व स्पष्ट जनादेश के लिए, एक बार फिर से बधाई व धन्यवाद, वास्तव में पश्चिम बंगाल की माताओं, बहनों, बेटियों, मतदाताओं, कार्यकर्ताओं, चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने में जी-जान से जुटे शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों, न्याय का झण्डा बुलन्द कर लोकतंत्र को जड़ों को मजबूती प्रदान करने वाले ज्ञात/अज्ञात सभी महानुभावों, विशिष्ट जनों, दैवीय शक्तियों के साथ-साथ भारत के संविधान निर्माताओं को जिन्होंने सत्ता को असली चाबी मतदाताओं को सोंपी है। विवेकपूर्ण, साहासिक व दूरदृष्टिपूर्ण निर्णय कि जितनी भी प्रशंसा की जावे वो छोटी ही प्रतीत होती है। जब सत्ता की असली बागड़ोर संविधान निर्माताओं ने मतदाताओं को सौंपी है, तो जिस प्रकार हर अंधेरी रात की समय-सीमा समाप्ति के साथ-साथ सूर्योदय निश्चित है उसी प्रकार निरंकुश, अत्याचारी, भ्रष्टाचारी, दुराचारी, सनातन विरोधी, माताओं-बहनों -बेटियों, जो साक्षात् देवी रूप हैं, को सुरक्षा प्रदान करने में अक्षम, लोकतंत्र का उपहास उड़ाने वाली, देश की आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक प्रगति में बाधक सत्ता का अन्त होना भी सुनिश्चित ही था।

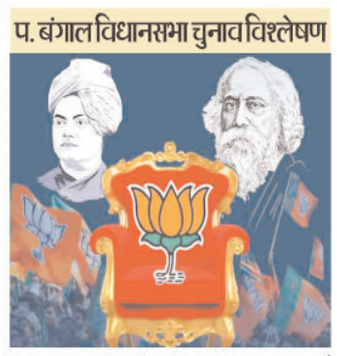

प. बंगाल विधानसभा चुनाव विश्लेषण

चुनाव प्रारम्भ होने की बेला से चुनाव आयोग की चुनाव सम्पन्न होने की अधिसूचना जारी होने तक का मतदाताओं, कार्यकर्ताओं का समीप से अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हुआ, मतदाताओं, कार्यकर्ताओं की मानसिक स्थिति को पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ। मतदाताओं, कार्यकर्ताओं से संवाद में चुनाव परिणामों की तस्वीर स्पष्ट परिलक्षित हो रही थी, ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे मतदान की तिथि तक का समय एक कल्प की तरह लम्बा लग रहा है। इतनी बेसब्री मतदान के लिए, 90% से अधिक का मतदान, ऐसा प्रतीत हो रहा है, जैसे मतदाताओं में मतदान की होड़ लग गई हो, देश-विदेश में बैठे पश्चिम बंगाल के मतदाता लाईन लगाकर, बेखौफ, मतदान के लिए जोश, जुनुन के साथ लाईन में लग गये, 40 डिग्री सेंटीग्रेट का तापमान पर महिलाओं ने शत-प्रतिशत मतदान का निर्णय कर लिया। चाहे शहर हो, देहात हो, छोटा सा गांव, कस्बा, सूदूर जंगल में छोटी सी बस्ती हो, हर जगह शत-प्रतिशत मतदान की होड़ लगी थी, अगर आप इस मतदान के जोश की भावनाओं को समझ सकें तो चुनाव परिणाम मतदान की लाईन देखने मात्र से ही स्पष्ट था। मतदाताओं में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रति विद्रोह, आक्रोश की ज्वाला धधक रही थी, जो उन्होंने मतदान शत-प्रतिशत करने को ठान कर अपने अन्तर्मन की ज्वाला को शान्त करने का मार्ग बनाया। ऐसा क्यों। सत्तारूढ़ दल के प्रति इतना आक्रोश क्यो। 2-3 विधायकों वाली पार्टी 77 विधायकों तक पहुंचती है, फिर सीधे 207 विधायकों पर पहुँचती है। ऐसी स्वीकार्यता में बढ़ोत्तरी क्यो। राजनैतिक विश्लेशकों का उत्तर भी बहुत स्पष्ट है व बहुत आसान है -कि SIR के कारण 90 लाख से अधिक घुसपैठिये मतदान प्रक्रिया से बाहर हो गये, सनातन का विरोध कर ध्रुवीकरण करने के प्रयासों से आम मतदाता चिढ़ गया था। आतंक, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, गुण्डागर्दी, महिलाओं के प्रति अपराधों का बड़ता ग्राफ, बेरोजगारी, तुष्टीकरण व भविष्य अंधकारमय देख रहा था आम मतदाता। केंद्रीय बलों की उपस्थिति के कारण आम मतदाता वोट डालने का साहस कर पाया, इत्यादि, इत्यादि .....

पर एक और अति महत्वपूर्ण तर्क भी मतदाताओं को शांत नहीं बैठने दे रहा था, वो था, ममता सरकार में पश्चिम बंगाल मोदी सरकार के विकसित भारतञ्च 2047 व 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दौड़ में शामिल नहीं हो रहा था, और अगर सरकार न बदली होती तो पश्चिम बंगाल भविष्य में भारत के नक्शे पर गरीब, बीमारू व उन्नति के पैमाने पर मार्ग के किनारे पर दुखी, लाचार सा खड़ा मिलता, बच्चों का भविष्य क्या होता, बच्चों को रोजी-रोटी की तलाश में देशभर में भटकना पड़ता और बेरोजगारी दर बढ़ते ही अपराध चरम पर पहुँच जाता अर्थात राज्य का आर्थिक ढांचा चरमराते ही भविष्य अंधकारमय हो जावेगा। भारी निराशा हावी थी, एफडीआई पश्चिम बंगाल का रास्ता भूल चुका था। इंवेस्टमेंट ने पश्चिम बंगाल से अपना नाता तोड़ लिया था। देशी विदेशी पर्यटक, धार्मिक पर्यटन, राज्य से निर्यात, कृषि, औद्योगिक उत्पादन, शिक्षा, स्वास्थ्य, अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा सब हाँसिये पर जा चुका था। केन्द्रीय योजनाओं के लिए ममता सरकार दरवाजे बंद कर चुकी थी, इस प्रकार के प्रश्नों से न केवल पश्चिम बंगाल का नुकसान हो रहा था, बल्कि जिस तरह शरीर का कोई एक अंग बीमार हो जावे तो पूरा शरीर बीमार हो जाता है, उसी प्रकार देश के एक राज्य का प्रगति की दौड़ में पिछड़ना पूरे देश की प्रगति में घातक सिद्ध होता है। इसी कारण पश्चिम बंगाल के मतदाता, कार्यकर्ता, माताऐं-बहनें-बेटियाँ बहुत आदर के पात्र हैं जिन्होंने समय रहते सटीक निर्णय कर राज्य की बागड़ोर श्री नरेन्द्र मोदी जी को सोंप कर न केवल पश्चिम बंगाल को बर्बादी से बचा लिया बल्कि विकसित भारतञ्च 2047 व 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए खुले दिल से अपना सहयोग, समर्थन व आशीर्वाद प्रदान किया। अब श्री नरेन्द्र मोदी जी की जिम्मेदारी इस विश्वास को पूरा करने के लिए और भी अधिक बड़ गई है। आने वाली राज्य सरकार को जनता की भावनाओं, अपेक्षाओं व विश्वास को केन्द्र मे रख कर बिना थके-बिना रुके चहुमुखी विकास के लिए अत्यधिक प्रयास करने होंगे।

लघु कथा

अपने-अपने मंदिर

सुभाष चन्द्र लखेड़ा

ऑस्ट्रेलिया की 'द यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिडनी' से इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के बाद जब कुंदन शाह का बेटा अर्जुन शाह पाँच वर्ष बाद स्वदेश लौटा तो महीना बीतते-बीतते कुंदन शाह को उसके रंग-ढंग अखरने लगे। ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले जो अर्जुन रोज़ सुबह अपनी सोसाइटी के मंदिर जाता था, इधर पिछले तीस दिनों में वह कभी सोसाइटी के मंदिर में नहीं गया। उन्हें यह देख भी अचरज होता था कि अब उनका बेटा ग़रीब लोगों के प्रति बहुत अधिक मेहरबान हो गया था। ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद उसने अपनी सोसाइटी के सफ़ाई कर्मियों को समझाया कि झाड़ू लगाते समय उन्हें अपने मुँह और नाक को महीन सूती कपड़े से ज़रूर ढकना चाहिए अन्यथा उन्हें साँस की तकलीफ़ होगी। चार-पांच बार वे उसके साथ बाज़ार गए तो वह लोगों को वहाँ भी स्वच्छता का पाठ पढ़ाने लगा।

तीन दिन पहले वह पास के एक अंध विद्यालय में गया और पूरे पाँच हज़ार रुपये ख़र्च कर आया। ख़ैर, आज सुबह उसे कुंदन शाह ने पूछा, 'तुम ऑस्ट्रेलिया से आने के बाद एक दिन भी मंदिर नहीं गए। क्या तुम अपनी संस्कृति को विदेश जाकर भूल चुके हो?'

जरा हटके

भूस्खलन के कारण एक झटके में खाली हो गई झील

क्यूबेक, । कनाडा के दक्षिण-पश्चिम क्यूबेक से प्रकृति के विनाश की एक विचलित करने वाली घटना सामने आई है। अपनी अनूठी बनावट के लिए दुनिया भर में मशहूर लेक रौज, जिसे लोग प्यार से इमोजी लेक कहते थे, अब पूरी तरह सूख चुकी है। यह झील ऊपर से देखने पर दो अन्य छोटी झीलों के साथ मिलकर एक हैरान चेहरे जैसा आकार बनाती थी, जो पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र थी। मई 2025 में स्थानीय समुदाय के लोगों ने पाया कि झील का पानी रहस्यमय तरीके से गायब हो चुका है और वहां अब केवल कीचड़ व मरी हुई मछलियों का ढेर बचा है। जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि झील का पूर्वी किनारा भीषण भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण टूट गया, जिससे झील का पूरा पानी एक झटके में बाहर निकल गया। इस प्रलयकारी बहाव ने रास्ते में आने वाले छोटे तालाबों को भी नष्ट कर दिया।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि झील का पानी लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित डोडा लेक में जा मिला, जिससे उस झील का साफ पानी भी पूरी तरह मटमैला हो गया है। विशेषज्ञों ने इसे आउटबर्स्ट फ्लड करार दिया है, जो आमतौर पर केवल ग्लेशियर वाली झीलों में देखा जाता है। लेक रौज जैसी साधारण झील का इस तरह फटना एक अत्यंत दुर्लभ और चिंताजनक घटना है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस तबाही के पीछे मानवीय हस्तक्षेप और जलवायु परिवर्तन मुख्य कारण हैं। साल 2019 और 2023 में कनाडा के जंगलों में लगी भीषण आग ने जमीन की ऊपरी परत को बेहद कमजोर कर दिया था। जली हुई मिट्टी पानी सोखने की क्षमता खो देती है, जिससे झील के किनारों पर दबाव बढ़ गया। इसके साथ ही, इलाके में बड़े पैमाने पर हुई पेड़ों की कटाई ने आग में घी का काम किया।

पेड़ों की जड़ों के बिना मिट्टी अपनी पकड़ खो बैठी और भारी बर्फबारी के बाद अचानक पिघली बर्फ के दबाव को झील के किनारे सहन नहीं कर पाए। सरकारी हाइड्रोलॉजिस्ट के अनुसार, क्यूबेक का यह संवेदनशील इलाका अभी भी भौगोलिक बदलावों के दौर से गुजर रहा है, लेकिन इंसानी गतिविधियों ने इस प्रक्रिया को खतरनाक रूप से तेज कर दिया है। इस घटना से स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को अपूरणीय क्षति हुई है। हजारों मछलियों की मौत और जलीय जीवों के आवास नष्ट होने से स्थानीय शिकारी और मछुआरे अपनी आजीविका को लेकर गहरे संकट में हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण भविष्य में ऐसी घटनाएं और बढ़ सकती हैं, इसलिए अब अन्य झीलों की सुरक्षा और निगरानी बढ़ाना अनिवार्य हो गया है।

फोटो ऑफ द डे

कच्चे तेल के टैंकर ओडेसा को रास्ता दिखा रही टगबोट्स। यह टैंकर यूएई का कच्चा तेल लेकर होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रा था, उस समय इसका ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम ट्रांसपोंडर बंद था।

राज काज

रिलायंस और नायरा जैसी कंपनियों पर सरकार मेहरबान

मोदी सरकार निजी कंपनियों और उद्योगपतियों के ऊपर मेहरबान रहती है। केंद्र सरकार ने निर्यात पर लगने वाले शुल्क में ?32 लीटर की कमी कर दी है। इसका लाभ विदेश में तेल निर्यातक रिलायंस और नायरा जैसी कंपनियों को बड़ी कंपनियों को होगा। भारतीय नागरिकों के शुल्क में सरकार ने कोई कमी नहीं की है। महंगा डीजल-पेट्रोल भारतीयों को खरीदना ही पड़ेगा। पेट्रोल डीजल के रेट बढ़ेंगे तो टैक्स भी बढ़ेगा। आम आदमी आम ही होता है। खास आदमी खास होता है। यह सरकार खास आदमियों की विशेष फ़िक्र करती है।

ईरान के सामने बेबस ट्रंप

जिस जल्दबाजी में इजरायल और अमेरिका ने ईरान के ऊपर हमला किया था।यह कहा था, 8 दिन के अंदर वह ईरान को सबक सिखा देंगे, सत्ता में परिवर्तन हो जाएगा। हो उल्टा रहा है, ईरान की जनता सड़कों पर सरकार और युद्ध के समर्थन में खड़ी है।युद्ध के इस खेल में अमेरिका बाहर निकलना चाहता है। वह चाहता है, किसी भी तरीके से समझौता हो जाए। ईरान अब आक्रामक हो गया है। ट्रंप दादा को समझ नहीं आ रहा है, वह इस मुसीबत से कैसे बाहर निकले। इसे कहते हैं, शिकारी खुद शिकार हो गया।

बेमौसम बारिश और बर्फबारी

जेठ का महीना शुरू हो गया है। गर्मी पड़ने के स्थान पर देश के कई राज्यों में मौसम बदल गया है।आंधी बारिश और ओले गिर रहे हैं। कहीं-कहीं बर्फ गिरने की खबर आ रही है। मौसम इस तरह से अपना रंग दिखाएगा,इसका अंदाजा मौसम विभाग ने भी नहीं लगाया था। मंगलवार को मौसम विभाग ने नई चेतावनी जारी की। उत्तर प्रदेश, बिहार सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में आंधी तेज बारिश और बर्फबारी की संभावना व्यक्त की है।मौसम बदलने से अब सारे समीकरण बदल रहे हैं। लोगों को जेठ के महीने में भगवान याद आ रहे हैं।

रसोई गैस की बिक्री 16 फ़ीसदी घटी

भगवान के बाद, सरकार जो चाहे कर सकती है। ईरान-अमेरिका के युद्ध में कच्चे तेल और रसोई गैस का संकट आया। भारत सरकार ने इसका मुकाबला जिस तरह से किया है। वह चमत्कारिक है। 14 किलो के सिलेंडर की जगह 5 किलो के सिलेंडर में उपभोक्ताओं को गैस वितरित की जा रही है। रसोई गैस की बिक्री भारत में 16 फ़ीसदी गिर गई है। 5 किलो का सिलेंडर,जो गरीब और मध्यम वर्ग लेता है। वह सरकार ने सबसे महंगा कर दिया है। महंगी गैस होगी तो लोग कम जलाएंगे। सरकार ने सब्सिडी वाले सिलेंडर की सप्लाई कम कर दी है।अब गरीबों को महंगी गैस लेने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा।

व्यंग्य

अपराध दर अपराध

संजीव शुक्ल

अगर नेहरू का नाम लेना शर्मिंदगी और अपराध है तो यह अपराध विश्व की राजनीतिक और साहित्यिक बिरादरी की तमाम नामी-गिरामी शख्सियतों ने किया है। आज ज़रूरत है कि इसका खुलकर पर्दाफ़ाश किया जाय। भगवान जाने इन अपराधों के प्रति उनमें कभी अपराधबोध हुआ या नहीं; शर्मिंदगी महसूस हुई या नहीं। क़ायदे में तो एक जाँच कमेटी इस पर भी बैठाई जानी चाहिए कि इन महनीय लोगों को अपने इन कुकृतयों पर कभी शर्मिंदगी हुई या नहीं। लेकिन हाँ, कमेटी बैठाने से पहले सतर्कता ज़रूर बरतें। कहीं उसका हाल सुभाष बाबू की गोपनीय फ़ाइलों को खुलवाने जैसा न हो जाए। बड़ा हल्ला मचता था कि सुभाष बाबू की गोपनीय फ़ाइलों में नेहरू के तमाम अपराध दर्ज हैं। पंथ-विशेष को लगता था कि इन फ़ाइलों में ज़रूर कुछ न कुछ नेहरू की बदनीयतों के क़िस्से मिलेंगे, जिसे फिर चटखारे लेकर सुनाया जाएगा। उनकी मनोहर कहानियों को और पंख लगेंगें। पर सब बेकार !!

उल्टे उसमें तो नेहरू द्वारा सुभाष बाबू के परिवार की आर्थिक सहायता किये जाने की सदाशयता उजागर हो गयी, जिसे नेहरू जीते जी कभी इसका ज़िक्र तक नहीं करते थे। पता नहीं कैसे बड़े लोग थे जिन्होंने अपना ढिंढोरा तक नहीं पीटा ! खुद सुभाष जी की बेटी ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में नेहरू और सुभाष दोनों को राष्ट्रवादी नेता बताया और बताया कि दोनों अपने अपने तरह से देश की सेवा कर रहे थे। उन्होंने नेहरू की खूब तारीफ़ की। जो कल तक गोपनीयता को अपराध बताते फिरते थे, पारदर्शिता का ढिंढोरा पीटते थे, वे इलेक्टोरल बांड की जानकारियों को छुपाने की भरसक कोशिश करते पाए गए। जो पारदर्शिता के पैरोकार थे, वे आज पी.एम. केयर फ़ंड का हिसाब जनता के बीच आना नहीं देना चाहते। ख़ैर तो आज सबसे पहले शुरूआत सुभाष बाबू के अपराधों से ही शुरू करते हैं। देखते हैं कि उन्होंने कैसे कैसे अपराध किए . . .तो सुभाष जी का अक्षम्य अपराध यह था कि उन्होंने एक जगह यह लिखा है कि 'भारत में अभी महात्मा गाँधी के बाद दूसरा सबसे कोई लोकप्रिय नेता है तो वह हैं जवाहरलाल जी। और वे आगे लिखते हैं कि, 'युवकों में तो वे महात्मा जी से भी अधिक लोकप्रिय हैं।'

इसके अलावा इतिहास को जानें तो पता चलता है कि सुभाष बाबू कांग्रेस की राह से अलग होने के बावजूद अपनी 'आज़ाद हिंद फौज' की ब्रिगेड के नाम गाँधी, नेहरू और मौलाना आज़ाद के नाम पर रखे जाने का अपराध करते हुए पाए जाते हैं। गाँधी तो चलो फिर भी उनसे उम्र में बहुत वरिष्ठ थे, इसलिए उनके प्रति उनके सम्मान को लोकलाज के तौर पर देखा जा सकता है, लेकिन नेहरू तो उनसे कुछ ही बरस बड़े थे। फिर उन्होंने ऐसा अपराध क्यों किया?

चिंतन-मनन

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें। दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया। हां, कर लिया। क्या खाया। रोटी, शाक, चावल और मिठाई। केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की। भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत् चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया। भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई। केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है।

स्वास्थ्य

दिमाग को खाली करें, बुद्धिमानी बढ़ायें

वाशिंगटन । हाल ही में ऑस्ट्रिया के न्यूरो साइंटिस्ट पीटर जोन्स ने मस्तिष्क को लेकर एक दिलचस्प दावा किया है। वैज्ञानिकों ने याददाश्त के सबसे जिम्मेदार हिस्से हिप्पोकेंपस का अध्ययन किया है चूहा और नवजात शिशुओं के मस्तिष्क पर शोध कर्ताओं ने शोध में जानकारी दी है की जन्म के समय नवजात के दिमाग में व्यस्त की तुलना में लगभग 2 गुना से ज्यादा कनेक्शन में जानकारी होती है मस्तिष्क में सूचनाओं को सही ढंग से लाने के लिए जानकारी को व्यवस्थित करने के लिए पहले से भरी हुई जानकारी को मिटाना और नई जानकारी को व्यवस्थित तरीके से भरने से बुद्धिमानी बढ़ती है, मस्तिष्क तेज गति से काम करता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इंसान जितना अपने दिमाग को अनावश्यक सूचनाओं और पुराने विचारों से मुक्त करता है, उसकी सोचने-समझने की क्षमता उतनी बेहतर होती जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि उम्र बढ़ने के साथ केवल नई जानकारी जोड़ना ही जरूरी नहीं होता, बल्कि दिमाग में पहले से मौजूद सूचनाओं को व्यवस्थित करना और गैरजरूरी बातों को हटाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, मस्तिष्क में अनुभवों और आदतों के आधार पर कई 'न्यूरल पाथवे' यानी मानसिक रास्ते बन जाते हैं। समय के साथ इन रास्तों को व्यवस्थित नहीं किया जाए, तो दिमाग पर अतिरिक्त बोझ बढ़ने लगता है। इससे निर्णय लेने की क्षमता और रचनात्मक सोच प्रभावित हो सकती है। शोध में पाया गया,जो लोग नियमित रूप से ध्यान, शांत चिंतन, सीमित सूचना ग्रहण और मानसिक विश्राम जैसी आदतें अपनाते हैं। उनका दिमाग अधिक सक्रिय और तेज रहता है। विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि बुद्धिमत्ता केवल अधिक जानकारी इकट्ठा करने से नहीं आती।

रनवे पर टेकऑफ करते समय एक शख्स से टकराया विमान, इंजन में लगी आग

पायलट ने विमान रोका, सभी 231 यात्रियों को इमरजेंसी स्लाइड से बाहर निकाला

वाशिंगटन। अमेरिका के डेनवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर एक विमान टेकऑफ के दौरान रनवे पर मौजूद एक पैदल व्यक्ति से टकरा गया। हादसे के बाद विमान के इंजन में आग लग गई और यात्रियों को इमरजेंसी स्लाइड से बाहर निकाला गया। यह घटना शुक्रवार देर रात को हुई। विमान डेनवर से लॉस एंजिल्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जा रहा था। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक टेकऑफ के दौरान पायलट ने कंट्रोल टावर को बताया कि हम रनवे पर रुक रहे हैंज् हमने किसी को टक्कर मार दी हैज्इंजन में आग लगी है।

रिपोर्ट के मुताबिक पायलट ने यह भी बताया कि विमान में कुल 231 लोग सवार थे। ऑडियो रिकॉर्डिंग में पायलट ने कहा कि एक व्यक्ति रनवे पार कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। इसके बाद विमान के अंदर धुआं भरने लगा और तुरंत इमरजेंसी इवैक्युएशन शुरू कर दिया गया। एयरलाइन ने बताया कि यह एयरबस ए321 विमान था, जिसमें 224 यात्री और 7 क्रू सदस्य मौजूद थे। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलहाल किसी यात्री के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी नहीं है।

हालांकि जिस पैदल व्यक्ति को टक्कर लगी, उसकी हालत को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। घटना के बाद रनवे 17एल को बंद कर दिया है। यह सवाल अब सबसे बड़ा बन गया है कि आखिर इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद कोई व्यक्ति रनवे तक पहुंचा कैसे।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने के संकेत, जेलेंस्की से मुलाकात को तैयार पुतिन

मॉस्को। दुनियाभर में बीते कुछ वर्षों से जारी युद्ध और संघर्ष के बीच शांति की एक नई किरण दिखाई देने लगी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल पैदा करते हुए संकेत दिया है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा चार साल पुराना युद्ध अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ सकता है। मॉस्को में विक्ट्री डे परेड के समापन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए पुतिन ने कहा, मुझे लगता है कि यह मामला अब खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। पुतिन का यह सकारात्मक बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका की मध्यस्थता से शनिवार से तीन दिनों का संघर्षविराम (सीजफायर) प्रभावी हुआ है।

इराक के नजफ में मिला कच्चे तेल का विशाल भंडार।

अमेरिका के मियामी बीच में बोट में जोरदार विस्फोट, 11 लोग गंभीर रुप से घायल

यह भीषण हादसा बोट के अंदर अचानक गैस लीक होने के कारण हुआ

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में मियामी बीच के पास पर्यटन स्थल हॉलओवर सैंडबार पर अचानक एक बोट में जोरदार धमाका हो गया। इस भयानक विस्फोट में कम से कम 11 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि हुई है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस विस्फोट की वजह से वहां मौजूद लोगों के बीच भारी अफरातफरी और दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस तुरंत इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद बचाव कार्य में जुट गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि यह भीषण धमाका बोट के अंदर अचानक गैस लीक होने के कारण हुआ था। हालांकि अधिकारी अभी भी इस दुर्घटना के सटीक कारणों की बहुत गहराई से जांच कर रहे हैं। फायर रेस्क्यू सर्विसेज के अधिकारियों ने इस घटना के बारे में कई अहम जानकारियां दी हैं। खबर के मिलते ही फ्लोरिडा फिश एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। इसके साथ ही यूएस कोस्ट गार्ड के जवान भी मदद के लिए दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए। इन सभी टीमों ने मिलकर वहां फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का सराहनीय काम किया।

अधिकारियों ने घटना के कारणों का पूरा खुलासा नहीं किया है। हालांकि वहां मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी ने गैस लीक को इस भीषण विस्फोट की मुख्य वजह बताया है। जांच एजेंसियां इस बयान को ध्यान में रखते हुए पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही हैं। हॉलओवर सैंडबार पर्यटकों के बीच एक बहुत ही लोकप्रिय और हमेशा भीड़भाड़ वाला स्थान माना जाता है। हादसे के वक्त भी वहां कई अन्य बोट और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पर्यटक मौजूद थे। इस भयानक विस्फोट के बाद से पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक घटना के तुरंत बाद सभी 11 घायलों को एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की एक विशेष टीम इन सभी मरीजों का गहनता से इलाज कर रही है। प्रशासन ने सभी पीड़ितों के परिवारों को हर संभव चिकित्सा सहायता जल्द से जल्द देने का आश्वासन दिया है।

ज्वालामुखी फटने से 3500 मीटर ऊपर उठी राख

जापान के कागोशिमा शहर में राख ही राख

टोक्यो। जापान के क्यूशू द्वीप पर स्थित कागोशिमा शहर में उस वक्त दहशत फैल गई, जब पास ही स्थित देश के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक, सकुराजिमा में अचानक भीषण विस्फोट हो गया। इस विस्फोट के बाद आसमान में 3,500 मीटर की ऊंचाई तक राख और काले धुएं का विशाल गुबार उठा, जिसने देखते ही देखते पूरे शहर को अपनी चपेट में ले लिया। इस खौफनाक मंजर का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ज्वालामुखी से निकलता धुआं और राख शहर को निगलते हुए दिखाई दे रहे हैं। कागोशिमा के निवासियों के लिए यह सुबह किसी डरावने सपने जैसी थी। ज्वालामुखी फटने के कुछ ही घंटों के भीतर पूरे शहर पर राख की मोटी परत जम गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़कें ऐसी नजर आ रही हैं मानो वहां धूसर रंग की बर्फ की चादर बिछ गई हो। हवा में फैली इस महीन राख के कारण लोगों को सांस लेने में भारी कठिनाई हो रही है, जबकि कई नागरिकों ने आंखों में तेज जलन और गले में खराश की शिकायत की है। ज्वालामुखी के मुख (क्रेटर) से दहकती हुई चट्टानें और गर्म पत्थर लगभग 2 किलोमीटर के दायरे में गिरे हैं, जिससे आसपास के जंगलों और रिहाइशी इलाकों में आग लगने का खतरा और दहशत ब? गई है।

जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी और स्थानीय प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अलर्ट लेवल-3 जारी कर दिया है। अधिकारियों ने नागरिकों को सख्त हिदायत दी है कि वे बिना किसी आपात स्थिति के घरों से बाहर न निकलें और अपने घरों की खिड़कियां व दरवाजे पूरी तरह बंद रखें। जो लोग अनिवार्य कार्यों के लिए बाहर जा रहे हैं, उन्हें फेफड़ों और आंखों की सुरक्षा के लिए डबल मास्क और सुरक्षा चश्मे पहनने की सलाह दी गई है।

ट्रंप की ईरान को प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस की चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की कोशिशें एक बार फिर अधर में लटकती नजर आ रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक तरफ जहां शांति प्रस्ताव पर ईरान के जवाब का इंतजार कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्होंने खुलेआम सैन्य ताकत के इस्तेमाल की चेतावनी देकर तनाव को और ब?ा दिया है। वर्तमान परिस्थितियों में कूटनीतिक बातचीत और सैन्य धमकियां एक साथ चल रही हैं, जिससे खा?ी क्षेत्र में अनिश्चितता का माहौल है। राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को स्पष्ट संकेत दिया कि यदि ईरान ने अमेरिका द्वारा रखी गई शर्तों को स्वीकार नहीं किया, तो प्रोजेक्ट फ्रीडम को दोबारा शुरू किया जा सकता है। ट्रंप ने इस बार और अधिक आक्रामक रुख अपनाते हुए इसे प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस का नाम दिया है।

दिल्ली कैपिटल्स में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चा जोरों पर।

राशिद आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले विदेशी स्पिनर बने

जयपुर। गुजरात टाइटंस के स्पिनर राशिद खान ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। राशिद ने इस मैच में चार विकेट लेकर राजस्थान रॉयल्स को 152 रनों पर आउट करने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है।

राशिद अब आईपीएल इतिहास में विदेशी स्पिनर के तौर पर सबसे ज्यादा बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने वाले खिला?ी बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कोलकाता नाइटराइजर्ड (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन को भी पीछे छो? दिया है। यह ये 18 वीं बार है जब राशिद ने आईपीएल मैच में तीन या उससे

ज्यादा विकेट लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ ही अब वह अमित मिश्रा और रवींद्र जडेजा जैसे प्रमुख स्पिनरों से आगे निकल गए हैं। अब केवल स्पिनर युजवेंद्र चहल ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 23 बार यह कारनामा किया है। अगर हम तेज गेंदबाजों को भी शामिल कर लें, तो राशिद से अधिक विकेट केवल जसप्रीत बुमराह के नाम 25, भुवनेश्वर कुमार के 21 और लसिथ मलिंगा के नाम 19 विकेट हैं।

मैच के बाद अपनी गेंदबाजी पर बात करते हुए राशिद खान ने बताया कि पहली गेंद फेंकते ही उन्हें पिच से मदद मिलने का एहसास हो गया था। उन्होंने कहा, मुझे बस अपनी गेंदों की गति को लगातार बदलते रहना था। मैं सही जगह पर गेंद डालने और स्टंप्स को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा था। मुझे लगा कि अगर मैं स्टंप्स से दूर गेंद डालूंगा, तो बल्लेबाज के लिए रन बनाना या चौका मारना आसान हो जाएगा। उन्होंने आगे जोर दिया कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण सही लेंथ और लाइन पर ध्यान देना था, ताकि गेंद तीनों स्टंप्स के बीच ही रहे। राशिद ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने फरेरा को आउट करने के बारे में पहले ही सोच लिया था और उनके दिमाग में पूरी योजना तैयार थी।

आईपीएल अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंची गुजरात टाइटंस

जयपुर। गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हराकर आईपीएल के 19 वें सत्र में लगातार चौथी जीत के साथ ही अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। यह गुजरात की रनों को देखते हुए आईपीएल में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाये। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में ही केवल 152 रनों पर ही सिमट गयी। इस मैच में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 118 रन बनाये। सुदर्शन ने 36 गेंदों में 55 रन बनाए, जबकि शुभमन ने 44 गेंदों पर 84 रन बनाये। वहीं अंत में, वॉशिंगटन सुंदर ने 20 गेंदों में नाबाद 37 रन और राहुल तेवतिया ने नाबाद 14 रन बनाकर टीम को 229 के लक्ष्य तक पहुंचाया। गुजरात टाइटंस की ओर से बृजेश शर्मा ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए। इसके बाद 230 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 3 रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौट गए। वैभव सूर्यवंशी 36 रन पर ही आउट हो गये। ध्रुव जुरेल 24 और शिमरोन हेटमायर 6 रनों पर ही आउट हो गये। रवींद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38 रन बनाये। शुभम दुबे 15 और जोफा आर्चर 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। दासुन शनाका ने 16 रन बनाये। दूसरी ओर गुजरात से राशिद खान ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए। जेसन होल्डर ने भी कमाल की गेंदबाजी करते हुए 2.3 ओवर में महज 12 रन खर्च कर 3 विकेट लिए। वहीं कगिसो रबाडा को दो और सिराज को एक विकेट मिला।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा फतेही का जलवा

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर डांसर और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में अपनी शानदार परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरेंगी। यह भव्य आयोजन कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित किया जाएगा। नोरा का इस प्रतिष्ठित मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए बेहद गर्व की बात माना जा रहा है। दुनियाभर में अपनी डांस परफॉर्मेंस और स्टेज प्रेजेंस के लिए पहचान बना चुकीं नोरा अब वैश्विक स्तर पर एक बार फिर भारतीय कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के प्रसिद्ध बीएमओ फील्ड स्टेडियम में आयोजित होगी। इस खास कार्यक्रम में नोरा फतेही के साथ कई बड़े अंतरराष्ट्रीय कलाकार भी मंच साझा करेंगे। इनमें माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं। वहीं अमेरिका में आयोजित होने वाली दूसरी ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे ग्लोबल सुपरस्टार्स अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ फुटबॉल का महाकुंभ नहीं बल्कि संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का भी विशाल उत्सव बनने जा रहा है। फीफा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी के जरिए देश की संस्कृति, विविधता और परंपराओं को दुनिया के सामने पेश किया जाएगा।

शुभमन लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

जयपुर। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। शुभमन ने इस मैच में 44 गेंदों पर ही 84 रनों की पारी के साथ ही अपने 400 आईपीएल रन पूरे किये। इसी के साथ ही शुभमन लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले विश्व के केवल तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। शुभमन ने साल 2020 के सत्र से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं साल 2026 के सत्र में भी यह सिलसिला बना रहा। उन्होंने साल 2020 और 2021 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हुए ये उपलब्धि हासिल की थी। इसके बाद साल 2022 में गुजरात टाइटंस से जुड़ने के बाद से ही वह लगातार रन बनाते आये हैं। आईपीएल में उनसे पहले केवल दो खिलाड़ियों के नाम ही ये रिकार्ड है।

वहीं इससे पहले सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से साल 2008 से 2014 तक लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 से अधिक रन बनाए थे। रैना ने इस दौरान सीएसके के आधार बने रहे। उनके बाद सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भी यह रिकार्ड अपने नाम किया। धवन ने साल 2016 से 2022 तक लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 या उससे अधिक रन बनाए। इस अवधि में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद (2016-2018), दिल्ली कैपिटल्स (2019-2021) और पंजाब किंग्स (2022) का प्रतिनिधित्व करते हुए जमकर रन बनाये। अब शुभमन भी इस विशेष क्लब में शामिल हो गये हैं। गिल की व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ-साथ, उनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने इस मैच में रॉजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हरा दिया। इससे टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब तक टीम ने 11 मैचों में 7 जीत के साथ ही 14 अंक हासिल किये हैं। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह बन गयी है।

आरसीबी और मुंबई के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला, जीत की राह तलाशेगी बेंगलुरु

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच बेहद अहम मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच प्लेऑफ की रेस के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जहां अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगी, वहीं मुंबई इंडियंस जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। सीजन की शुरुआत में लगातार चार मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन करने वाली बेंगलुरु की टीम अब पिछले पांच मैचों में तीन हार झेल चुकी है, जिससे टीम की लय प्रभावित हुई है। ऐसे में अब टीम पर दबाव बढ़ गया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फिलहाल 10 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है।

खनिज आधारित उद्योगों के विकास के नजरिये से मील का पत्थर साबित हो रही माइनिंग कॉन्क्लेव : प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री ने की शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा

जिला विकास एवं सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

कटनी (ब्यूरो)। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री और कटनी जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि खनिज आधारित उद्योगों के विकास के नजरिये से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में कटनी में आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव मील का पत्थर साबित हो रही है। यहाँ की प्रचुर खनिज संपदा को देखते हुए खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार पर और अधिक फोकस होकर काम करने की आवश्यकता है। यह बात प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जिला विकास एवं सलाहकार समिति की बैठक में कही।

बैठक में विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक, प्रणय प्रभात पाण्डेय, धीरेन्द्र बहादुर सिंह, महापौर श्रीमती प्रीति सूरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मेहरा, कलेक्टर आशीष तिवारी, एसपी अभिनय विश्वकर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टण्डन सोनी, पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, पीताम्बर टोपनानी, रामरतन पायल, शहडोल सांसद प्रतिनिधि पद्मेश गौतम सहित जिला विकास एवं सलाहकार समिति के सदस्यगणों की मौजूदगी रही।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने कहा कि शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों और विकास एवं निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग और प्लानिंग के साथ किए गए प्रयास विकास में महती भूमिका निभाते हैं। इसलिए जिले के समग्र विकास के लिए सभी लोग समन्वित प्रयास करें। शिक्षा, समाज सेवा, उद्योग आदि अनेक क्षेत्रों के लोग इस समिति में सदस्य के तौर पर शामिल है। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने निर्देशित किया कि जब तक ग्रामीण नल-जल प्रदाय योजना का काम पूरा नहीं हो जाता, तब तक ग्राम पंचायतों को योजना का हस्तांतरण न किया जाए। नल-जल योजनाओं के ठेकेदारों द्वारा खोदी गई सड़कों का रेस्टोरेशन कार्य पूरा करने के बाद ही ग्राम पंचायतों को योजना हस्तांतरित की जाए। बैठक में विजयराघवगढ़ विधायक श्री पाठक ने सुझाव दिया

कि शहरी क्षेत्र की ऐसी खदानें जहां बारहमाह जल रहता है उन खदानों को बंद नहीं किया जाय, बल्कि गर्मियों के मौसम में खदानों में उपलब्ध जल का उपयोग नगर की जलापूर्ति एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये किया जा सकता है।

जलगंगा संवर्धन अभियान से हो रहे जल संचय एवं संवर्धन के कार्य

जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जन भागीदारी से जल संचय के 9 हजार से अधिक कार्य किये जा रहें हैं। जिनमें लगभग 6600 कार्य पूर्ण हो चुके हैं जबकि लगभग 2500 कार्य प्रगतिरत है। वहीं अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के निर्माण एवं पुराने जलस्त्रोतों की मरम्मत से संबंधित 3 हजार से अधिक कार्य पूर्ण हो चुके हैं। जबकि लगभग 1100 कार्य प्रगतिरत है। इन्हें 30 जून तक पूरा कर लिया जायेगा। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने नगर निगम के ठेकेदारों और माईनिंग व्यवसायियों से नदी सफाई जैसे जलसंरक्षण के पुनीत कार्य हेतु जनसहयोग लेने की बात कही। इस दौरान कलेक्टर आशीष तिवारी ने बताया कि कटनी नदी सहित अन्य जल संरचनाओं का सीमांकन कराया जायेगा।

हॉर्टीकल्चर विभाग द्वारा भी पानी चौपाल आयोजित कर किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही जन अभियान परिषद द्वारा बोरीबंधान, नदी एवं तालाबों के घाटों की साफ-सफाई, दीवार लेखन आदि कार्य किये जा रहें हैं। साथ ही इन कार्यों की नियमित समीक्षा भी की जा रही है। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने बताया कि मनरेगा योजना के तहत श्रमिकों को 35 लाख श्रम दिवस का कार्य दिया गया।

स्कूलों में बढ़ायें नामांकन

बैठक में बताया गया कि इस वर्ष 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम गत वर्ष की तुलना में लगभग 3.5 प्रतिशत बेहतर रहा है। प्रभारी मंत्री ने निर्देशित किया कि जिले में मानकों का पालन न करने वाली निजी स्कूलों पर कार्यवाही करते हुये स्कूलों के विरूद्ध कार्यवाही की जाय। साथ ही शासकीय स्कूलों में छात्रों का नामांकन बढ़ाने के लिये अभियान चलायें।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत कटनी जिले ने समय से पूर्व ही सौ फीसदी लक्ष्य हासिल कर लिया है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया गया है। जिले में चिन्हित 244 ग्रामों में हैंड होल्ड एक्सरे मशीन एवं स्थाई एक्सरे मशीन द्वारा विजयराघवगढ़, कटनी, बहोरीबंद एवं ढीमरखेड़ा विकासखंडों में टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग हेतु आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किये जा रहें हैं। साथ ही जिले में मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु दर में भी लगातार कमी आ रही है। प्रभारी मंत्री ने मरीजों एवं आम नागरिकों के सुगम आवागमन हेतु पार्किंग एवं सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने कार्ययोजना पर अमल करने के निर्देश दिए। इसके अलावा बैठक में गेहूँ-चना एवं मसूर उपार्जन, महिला एवं बाल विकास, नगर निगम, कृषि विभाग, सेतु निर्माण, लोक निर्माण विभाग, जल निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, एनव्हीडीए, जल संसाधन एवं राजस्व विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, निगमायुक्त तपस्या परिहार, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, सहायक कलेक्टर श्लोक वायकर, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी, डिप्टी कलेक्टर विंकी सिंहमारे उईके सहित सभी विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रीवा में हाईकोर्ट की अतिरिक्त शाखा खोलने की मांग

मैहर (ब्यूरो)। वरिष्ठ समाजसेवी रमापति गौतम ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, कानून मंत्री, मध्य प्रदेश के हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से मांग की है कि रीवा में हाईकोर्ट की अतिरिक्त शाखा खोली जाए। मांग के पीछे के कारण है कि स्वतंत्रता के पहले विंध्यप्रदेश रीवा में हाईकोर्ट की संस्थापना थी। मध्यप्रदेश गठन के बाद रीवा हाईकोर्ट को समाप्त कर प्रदेश में जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर में तीन हाईकोर्ट की शाखा खोली गई। रीवा, सतना, सीधी, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, मऊगंज और मैहर आठ जिलों में लगभग 13000 वकील हैं। रीवा संभाग पन्ना जिले के लोगों के भी समीप है। रीवा संभाग औद्योगिक क्षेत्र का गढ़ है जहां सीमेंट उद्योग, कोयला खदान और अन्य उद्योग हैं श्रमिकों की संख्या अत्यधिक है। श्री गौतम ने मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री और रीवा विधायक राजेंद्र शुक्ल से इस विषय को गंभीरता पूर्वक पहल करने कि अपील की है। साथ ही रीवा और शहडोल संभाग के सभी विधायक, सांसद, नगर पालिका, नगर निगम, जिला जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि रीवा रियासत के सम्मान में पुराने हाईकोर्ट की स्थापना को पुन: बहाल करने कि मांग की जाए।

बेलगाम डंपर ने ली श्रमिक की जान

कटनी (ब्यूरो)। औद्योगिक नगरी कैमोर में बेलगाम दौड़ रहे ओवरलोड वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार देर रात रामलीला मैदान और संडे मार्केट के बीच एक तेज रफ्तार डंपर ने ड्यूटी पर जा रहे श्रमिक को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन समेत फरार होने में सफल रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक श्रमिक एसीसी के बेहा प्लांट में ठेकेदार रामप्रताप सिंह के अधीन कार्यरत था। वह देर रात अपनी शिफ्ट के लिए ड्यूटी पर जा रहा था, तभी सड़क पर गिट्टियां गिराते हुए जा रहे एक अनियंत्रित डंपर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही 112 डायल पुलिस मौके पर पहुँची और घायल को तत्काल विजयराघवगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सहकारी बैंकों को अधिक सक्रिय, जवाबदेह और किसान हितैषी बनाएं

ग्वालियर। मध्य प्रदेश में सहकारी बैंकों व संस्थाओं को अधिक सक्रिय, जवाबदेह एवं किसान हितैषी बनाएं। साथ ही सभी अधिकारी विभागीय समन्वय बनाकर निर्धारित लक्ष्यों की समय पर पूर्ति सुनिश्चित करें। यह निर्देश अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने रविवार को ग्वालियर व चंबल संभाग के सभी जिलों के सहकारी बैंकों के अधिकारियों की बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुरूप किसानों को समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समयबद्ध तरीके से पहुँचाना सुनिश्चित करें। रविवार को जिला पंचायत के सभागार में हुई बैठक में अपेक्स बैंक के प्रशासक यादव ने सहकारी संस्थाओं को किसानोपयोगी बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सदस्यता महा अभियान को और प्रभावी बनाने बनाएं। उन्होंने कहा किसानों से समन्वय बनाकर वसूली में तेजी लाकर बैंकों की स्थिति मजबूत करें, जिससे अधिक से अधिक किसानों को कृषि संबंधी प्रयोजन के लिये ऋण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में सदस्यता महा अभियान की दैनिक प्रगति, वर्ष 2025-26 में वितरित अल्पावधि फसल ऋण की वसूली तथा खरीफ 2026 के लिए अल्पावधि फसल ऋण वितरण के लक्ष्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही जिला सहकारी बैंक की शाखाओं एवं प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थाओं (पैक्स) के माध्यम से टर्म ऋण स्वीकृति और वितरण की स्थिति पर भी चर्चा हुई। बैठक में पैक्स के अंतर्गत संचालित बहुउद्देशीय व्यावसायिक गतिविधियों की प्रगति, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध उपलब्धियों का आंकलन तथा समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में अपैक्स बैंक भोपाल से आए वरिष्ठ अधिकारी राजकुमार गंगेले एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक ग्वालियर के सीईओ हिमांशु खाड़े सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के सहकारी बैंकों के अधिकारी मौजूद थे।

महापौर ने कटनी नदी के सफाई कार्य का किया निरीक्षण

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कटनी नदी संरक्षण की दिशा में बताया महत्वपूर्ण कदम

कटनी (ब्यूरो)। मध्यप्रदेश शासन के 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी द्वारा कटनी नदी की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों को नई गति मिली है। प्रयागराज से मंगाई गई अत्याधुनिक 'ट्रैश क्लीनर मशीन' के माध्यम से कटाएघाट स्थित नदी क्षेत्र में सफाई कार्य लगातार जारी है। गुरुवार को महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कटाएघाट पहुंचकर मशीन से चल रहे सफाई कार्य का निरीक्षण किया तथा इसे नदी संरक्षण एवं जल संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। महापौर श्रीमती सूरी ने कहा कि कटनी नदी शहर की सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय धरोहर है, जिसके संरक्षण एवं स्वच्छता के लिए नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहली बार अत्याधुनिक मशीनी तकनीक के माध्यम से नदी में जमा जलकुंभी, चोई एवं अन्य अवांछित सामग्री को हटाने का कार्य किया जा रहा है, जिससे नदी के जल प्रवाह में सुधार होने के साथ स्वच्छता एवं सौंदर्य में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देगा। नगर निगम प्रशासन द्वारा कटाएघाट से प्रारंभ किया गया सफाई अभियान चरणबद्ध रूप से गाटरघाट तक संचालित किया जाएगा। मशीन के माध्यम से नदी की सतह पर तैरते कचरे एवं गाद को हटाकर जल धारण क्षमता बढ़ाने तथा वर्षा काल में जलभराव की समस्या को नियंत्रित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। महापौर ने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन को लेकर जनजागरूकता का भी प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जल स्त्रोतों में कचरा एवं पूजन सामग्री न डालें तथा अभियान को सफल बनाने में सहभागिता निभाएं। निरीक्षण के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य सर्वश्री सुभाश साहू,जयनारायण निषाद,सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद शकुंतला सोनी,प्रभारी कार्यपालन यंत्री असित खरे,सहायक यंत्री सुनील सिंह, उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोबाइल दुकान को चोरों ने बनाया निशाना

5 लाख रुपए के मोबाइल फोन चोर

कटनी (ब्यूरो)। कोतवाली थाना क्षेत्र में चोरों ने तड़के सुबह बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बरही रोड स्थित अग्रवाल मोबाइल दुकान से अज्ञात बदमाश करीब 50 महंगे मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस जांच में जुट गई है। बता दे कि शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बरही रोड स्थित अग्रवाल मोबाइल दुकान में तड़के सुबह चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। जानकारी के मुताबिक अज्ञात चोर दुकान में घुसे और काउंटर में रखे करीब 50 नए मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। बताया जा रहा है कि चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुए हैं चोरी गए मोबाइल अलग-अलग कंपनियों के महंगे स्मार्ट फोन थे, जिनकी कीमत लगभग 5 लाख रुपए बताई जा रही है। चोर मोबाइल के नए डब्बे खोलकर फोन अपने साथ ले गए और मौके से फरार हो गए। घटना सुबह करीब 4 बजे के आसपास की बताई जा रही है। दुकान संचालक प्रफुल्ल अग्रवाल को जब चोरी की जानकारी मिली तो वे तुरंत कोतवाली थाना पहुंचे और मामले की शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है। वहीं शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में इस तरह की चोरी की घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि पुलिस इन शातिर चोरों तक कब तक पहुंच पाती है।

संगठन की मजबूती के लिए ज्यादा ज्यादा जनहित के कार्य करें

मैहर (ब्यूरो)। मप्र अग्रवाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मित्तल के नेतृत्व में मध्यप्रदेश अग्रवाल महिला महासभा की प्रदेश अध्यक्ष मीना बंसल का प्रथम दौरा माँ शारदेय की नगरी मैहर से शुरू हुआ। माँ शारदेय का आशीर्वाद प्राप्त कर संगठन की मजबूती एवं वर्ष 2026-27 को ध्यान में रखते हुए लक्ष्यों की पूर्ति हेतु पावन भूमि मैहर में कई कार्यक्रमों में शामिल रहीं। मध्यप्रदेश अग्रवाल महिला महासभा इकाई मैहर की टीम द्वारा सरस्वती स्कूल स्थित भोलेनाथ मंदिर में सामूहिक सुंदरकांड का पाठ किया गया। तत्पश्चात आरती कर प्रसाद वितरण हुआ। प्रदेश अध्यक्ष ने मैहर इकाई की बैठक ली एवं वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त की। संगठन की मजबूती के लिए जनहित के ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रमों को संचालित करने पर जोर दिया। महासभा के प्रांतीय उप महामंत्री एड. संतोष अग्रवाल ने महासभा को घर घर की महासभा बनाने के लिए अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने पर बल दिया तथा ज्यादा से ज्यादा सदस्य संख्या बढ़ाने के लिए महिलाओं को प्रेरित किया। प्रथम बैठक में प्रदेश अध्यक्ष का प्रदेश महिला महामंत्री ममता अग्रवाल अंकुर, राजकुमारी अग्रवाल, दीप्ता अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, रंजना अग्रवाल, एकता अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, सीता अग्रवाल एवं स्वाती अग्रवाल आदि की उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने आदतन अपराधी को 2 माह तक पुलिस थाना में उपस्थित होने के दिए निर्देश

कटनी (ब्यूरो)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष तिवारी ने ग्राम बचैया थाना बहोरीबंद निवासी भूरा उर्फ कृष्णकुमार तिवारी पिता सूरज तिवारी उम्र 50 वर्ष के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए आगामी 2 माह की अवधि तक प्रतिमाह की 15 तारीख को पुलिस थाना बहोरीबंद में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री तिवारी ने यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर की है। भूरा के विरूद्ध अब तक कुल 8 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध है। जिनमें गाली-गलौज करना, मारपीट करना, लोगों को डराने-धमकाने जैसे अपराध शामिल है। भूरा क्षेत्र में आतंक का पर्याय बन चुका है। पुलिस द्वारा भूरा के विरूद्ध कई बार प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। परंतु, आदतन अपराधी के आचरण-व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। भूरा उर्फ कृष्णकुमार तिवारी द्वारा आपराधिक गतिविधियां निरंतर जारी रखने, आम जन के लिए आतंक का पर्याय बनने के कारण क्षेत्र में शांति एवं सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था पर पड़नें वाले प्रतिकूल प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री तिवारी ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आदतन अपराधी के प्रवृत्ति पर नियंत्रण लगाने के लिए कार्रवाई करते हुए आगामी 2 माह तक पुलिस थाना बहोरीबंद में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

हैंडपंप खराब नदी से पानी लाने को मजबूर ग्रामीण, बंद पड़ी नल जल योजना

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए शासन द्वारा लाखों रुपये खर्च कर नल-जल योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि गांवों तक स्वच्छ पेयजल पहुंच सके। विकासखंड अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पडौर के बैगान टोला में यह योजना जिम्मेदारों की लापरवाही और मनमानी की भेंट चढ़ गई है। नल-जल योजना लंबे समय से बंद पड़ी है, जबकि मोहल्ले का इकलौता हैंडपंप भी खराब हो चुका है। इसके कारण ग्रामीणों को भीषण गर्मी में करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित केवई नदी से पानी लाकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है।

ग्राम की महिला सियाबती ने बताया कि गांव में पेयजल संकट दूर करने के उद्देश्य से नल-जल योजना शुरू की गई थी, लेकिन ग्राम पंचायत और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की उदासीनता के कारण योजना का संचालन बंद हो गया।

आपसी समझौते से हजारों मामलों का हुआ समाधान, नेशनल लोक अदालत में 24 खंडपीठों ने किया प्रकरणों का निराकरण

कटनी (ब्यूरो)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कटनी जितेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय कटनी सहित तहसील न्यायालय विजयराघवगढ़, बरही एवं ढीमरखेड़ा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा सरस्वती माता की प्रतिमा एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीशगण, जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अमित शुक्ला, अधिवक्तागण, जिला अभियोजन अधिकारी, लोक अभियोजक, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड श्रीमती मृणालिनी सिंह ने बताया कि लोक अदालत में राजस्व, नगर निगम, विद्युत, आपराधिक, मोटर दुर्घटना दावा सहित प्री-लिटिगेशन एवं न्यायालयीन प्रकरणों का आपसी समझौते से निराकरण किया गया। इसके लिए जिले में कुल 24 खंडपीठों का गठन किया गया था। लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन के 2914 प्रकरण एवं न्यायालय के 376 लंबित प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 2817 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण करते हुए 1 करोड़ 54 लाख 36 हजार 970 रुपये की राशि जमा कराई गई। वहीं न्यायालय में लंबित 346 प्रकरणों का भी सफलतापूर्वक निराकरण हुआ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सचिव श्रीमती मृणालिनी सिंह ने लोक अदालत को सफल बनाने में सहयोग देने वाले न्यायाधीशगण, अधिवक्ताओं, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पक्षकारों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजीनामा करने वाले पक्षकारों को प्रतीक स्वरूप फलदार एवं छायादार पौधे भी वितरित किए गए।

मानसिक विक्षिप्त महिला के गालीगलौच पर हुए विवाद में हत्या, परिवार के तीन लोग घायल

दमोह (ब्यूरो)। जिले के देहात थाना क्षेत्र के नरसिंहगढ़ चौकी के खड़ेरा मोहल्ले में रविवार सुबह गाली गलौ मुन्नालाल के घर पहुंच गए ज पर से हुए विवाद में एक व्यक्ति की हत्या कर दिए जाने का घटनाक्रम सामने आया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करके आरोपी पति-पत्नी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुन्ना लाल जैन की मानसिक विक्षिप्त बेटी कविता के द्वारा अपने घर के अंदर से आए दिन की तरह रविवार को भी गाली गलौज की जा रही थी। जिस से आहत होकर पड़ोसी धर्मेंद्र सिंह लोधी और उनकी पत्नी झगड़ा करने के लिए मुन्ना लाल के घर पहुंच गई। इस दौरान मुन्ना लाल ने इनको अपने घर में घुसने से रोका तो गुस्से में धर्मेंद्र तथा उनकी पत्नी ने मुन्नालाल पर हमला कर दिया। इसके बाद बचाने पहुंचे बेटे पप्पू, जीजा दिनेश और कविता के साथ भी जमकर मारपीट की गई। झगड़े की सूचना पुलिस को दिए जाने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां मुन्नालाल जैन 58 वर्ष को मृत घोषित कर दिया गया। अन्य तीन घायलों का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि मुन्नालाल जैन की मानसिक विक्षिप्त बेटी कविता घर में ही रहती है। उसके द्वारा पड़ोसी धर्मेंद्र सिंह लोधी को गालियां दी गई। जिसको लेकर यह विवाद हुआ। मुन्ना के बेटे पप्पू ने बताया की बहन ने घर के अंदर गालियां दी थी। जिसके बाद धर्मेंद्र अपनी पत्नी लक्ष्मी के साथ आया और उनके पिता के साथ मारपीट कर दी। जब उनका भाई और जीजा बचाने आए तो उसके साथ भी मारपीट की गई। बहन कविता और उनके पति दिनेश पर भी हमला किया। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी इसके बाद घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मुन्नालाल जैन को मृत घोषित कर दिया है। वही बेटी कविता जैन उनके दिनेश जैन और बेटे पप्पू जैन का इलाज चल रहा है। देहात थाना टीआई अमित गौतम ने बताया की दोनों पड़ोसियों के बीच रविवार सुबह विवाद हुआ था। जिसमें मुन्नालाल जैन की मौत हो गई है और उनके घर के तीन लोग घायल हुए हैं। आरोपी धर्मेंद्र सिंह लोधी और उनकी पत्नी लक्ष्मी लोधी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या का मामला दर्ज कर मामले में जांच की जा रही है। वहीं बताया जा रहा है की मानसिक विक्षिप्त कविता से मोहल्ले के लोग परेशान थे वह आए दिन गंदी-गंदी गालियां देती थी। उन्होंने परिजनों से कई बार कहा कि उसका अच्छे से इलाज कराए। पुलिस में भी कई बार आवेदन दिया, आरोपियों के द्वारा सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की गई लेकिन इस पर पुलिस के द्वारा भी ध्यान नहीं दिया गया न कोई कार्रवाई की गई। जिसके बाद आज सुबह यह घटनाक्रम हो गया है। पुलिस के द्वारा पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए शव को भेजा जा रहा है और मामले में जांच शुरू कर दी गई है।

खेत के कुएं के पास खेल रहे बच्चे पर तेंदुए का हमला

13 वर्षीय सत्यम ने तेंदुए की गर्दन पकड़ कर धकेला

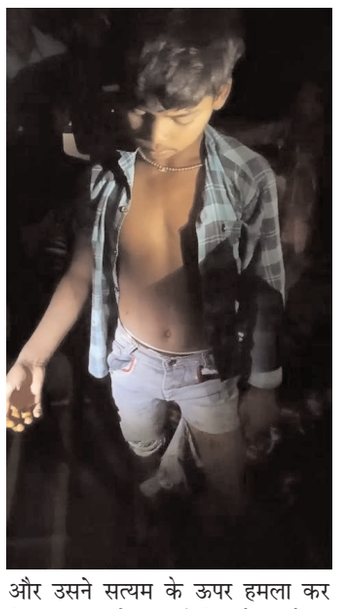

पिपरिया (ब्यूरो)। शनिवार शाम 7 बजे वन परिक्षेत्र पिपरिया बफर की उप परिक्षेत्र की बीट कुर्सीखापा के अंतर्गत ग्राम कुर्सीखापा के खेत में कुएं के पास तेंदुए द्वारा एक 13 वर्षीय बालक सत्यम ठाकुर पिता महेश ठाकुर पर हमला कर घायल कर दिया। जिसकी सूचना प्राप्त होने पर वन परिक्षेत्र अधिकारी पिपरिया बफर द्वारा तत्काल मौके पर पहुंच कर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार हेतु लाया गया एव तत्काल सहायता राशि घायल के परिजन को प्रदान की।

वन ग्राम कुर्सी खापा में एक 13 वर्षीय बच्चे ने अपनी बहादुरी और साहस से तेंदुए से अपनी जान बचा ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कुर्सी खापा निवासी 13 वर्षीय सत्यम शनिवार शाम को अपने दोस्तों के साथ खेत पर गया हुआ था। इस दौरान वह खेत पर बने कुएं के पास खेलने लगा। इस दौरान झाड़ियां में से तेंदुआ निकलकर आया और उसने सत्यम के ऊपर हमला कर दिया। सत्यम ने बहादुरी दिखाते हुए तेंदुए की गर्दन पकड़ ली और उसे धकेल दिया। तेंदुए के साथ संघर्ष में सत्यम को हाथ पैर और पेट में चोट के निशान आए हैं। बच्चों की चीख पुकार सुनकर ग्रामीण हाथों में डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और उन्होंने वहां से तेंदुए को खदेड दिया। तेंदुआ बच्चे को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। मामले की जानकारी लगते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उन्होंने तत्काल बच्चों को लेकर शासकीय अस्पताल पहुंचे। वही बच्चों के इलाज के लिए वन विभाग ने सहायता राशि भी प्रदान की। शासकीय अस्पताल में बच्चों के प्राथमिक उपचार के बाद उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सत्यम के पिता महेंद्र ठाकुर ने बताया कि हमारा खेत जंगल के नजदीक है शाम को सत्यम खेत बने कुएं के पास खेल रहा था जिसकी चीख पुकार सुन हम लोग लाठी डंडे लेकर खेत पर पहुंचे थे सत्यम तेंदुए की गर्दन को पकड़े हुए था उसके संघर्ष के कारण ही आज उसकी जान बची है।

वही एसडीओ आशीष कुमार ने बताया कि बच्चे के ऊपर तेंदुए ने हमला कर घायल कर दिया था जिसको वन विभाग की टीम के द्वारा ईलाज के लिए भेजा गया था वही तत्काल सहायता राशि घायल के परिजन को प्रदान की। मामले को लेकर बच्चे की देखरेख की जा रही है।

मातृत्व दिवस पर न्यायाधीश पहुंची बुजुर्गों के बीच, हुई भावुक

पिपरिया (ब्यूरो)। मातृत्व दिवस के अवसर पर द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अर्चना रघुवंशी नगर के न्यू बस स्टैंड स्थित वृद्धाश्रम पहुंची। जहां बुजुर्गों के साथ समय बिताकर वह भावुक हो उठी। बुजुर्गों से संवाद करते हुए न्यायाधीश श्रीमती रघुवंशी भावुक हो गई और उन्होंने बुजुर्गों से कहा कि वृद्धाश्रम कहीं न हो मेरी यही कामना है उन्होंने आगे कहा कि जिस परिवार में बुजुर्ग होते हैं वह परिवार सबसे भाग्यशाली होता है। वहीं उन्होंने बुजुर्गों से उनकी समस्याओं के बारे में बात की और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने बुजुर्गों से आशीर्वाद लेते हुए कहा कि आप लोगों को न्यायालय से संबंधित कोई भी जानकारी या मदद चाहिए उसके लिए मैं हमेशा तैयार हूं। वहीं उन्होंने बुजुर्गों के साथ बैठकर भोजन भी किया।

नवागत एसपी ने थाना प्रभारी की बैठक में दिए महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश

दमोह (ब्यूरो)। रविवार को नवीन कंट्रोल रूम में नवागत पुलिस अधीक्षक श्री आनंद कलादगी जी द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, समस्त एसडीओपी एवं जिले के समस्त थाना प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिले की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, लंबित प्रकरणों के निराकरण एवं आमजन की सुरक्षा से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सतत भ्रमण कर कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखें तथा असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त रात्रि गश्त, यातायात व्यवस्था, महिला सुरक्षा एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए तथा पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। सभी थाना प्रभारियों को अनुशासन, तत्परता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।

भाजपा का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग सफलता पूर्वक संपन्न

दमोह (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी दमोह द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान अंतर्गत जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे के नेतृत्व में आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग (9 एवं 10 मई) का द्वितीय दिवस सुव्यवस्थित विभिन्न विषयों पर क्रमबद्ध सत्र आयोजित कर कार्यकर्ताओं को वैचारिक एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त किया गया। प्रथम दिवस के छह सत्रों एवं रात्रि विश्राम के पश्चात द्वितीय दिवस की शुरुआत योग एवं व्यायाम के साथ हुई, जिसमें कार्यकर्ताओं को स्वस्थ जीवनशैली एवं अनुशासन का संदेश दिया गया। द्वितीय दिवस में सप्तम सत्र के विषय विचार परिवार में भाजपा के वैचारिक आधार, संगठन के प्रेरणा स्रोत एवं राष्ट्रवादी विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ता बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक अनुराग प्यासी ने कार्यकर्ताओं को विचार परिवार की मूल भावना से अवगत कराया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व विधायक श्रीमती सोना बाई अहिरवार ने की। अष्टम सत्र कार्य विस्तार विषय पर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने एवं जनसंपर्क बढ़ाने के उपाय बताए गए। इस सत्र को मध्यप्रदेश शासन में वन मंत्री दिलीप अहिरवार ने संबोधित किया। एवं सत्र की अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र गुरू ने की। नवम सत्र में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। वक्ता प्रदेश मंत्री एवं दमोह जिला प्रभारी श्रीमती अर्चना सिंह ने कार्यकर्ताओं से इन योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व मंडल अध्यक्ष राम सींग ने की।

शाहपुर की घटना प्रशासनिक विफलता और शराब माफियाओं के आतंक का परिणामः भूपेंद्र सिंह मोहासा

सागर (ब्यूरो)। शाहपुर नगर में शराब माफियाओं द्वारा की गई हिंसक घटना में दो युवकों सूरज अहिरवार एवं नीरज प्रजापति की दु:खद मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक, दुर्भाग्यपूर्ण एवं प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था का गंभीर उदाहरण है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है तथा आमजन में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) सागर के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मोहासा ठुद्र घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि यदि प्रशासन समय रहते अवैध शराब कारोबार पर कठोर कार्रवाई करता, तो आज दो परिवार उजड़ने से बच सकते थे। क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार खुलेआम संचालित हो रहा है।

सागर पुलिस की मानवीय संवेदनाः 81 वर्षीय बुजुर्ग माताजी का खोया बैग ढूँढ निकाला, खुशी से छलक उठीं बुजुर्ग की आँखें

दो बार भावुक हुईं माताजीः पहले बैग खोने के गम में, फिर सागर पुलिस की तत्परता देख खुशी के आँसुओं में

सागर (ब्यूरो)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव उइके एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री लोकेश कुमार सिन्हा के कुशल निर्देशन में सागर पुलिस ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक बुजुर्ग महिला का गुम हुआ बैग बरामद कर उन्हें सकुशल लौटाया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से न केवल बुजुर्ग महिला का कीमती सामान वापस मिला, बल्कि खाकी के प्रति जन-विश्वास भी सुदृढ़ हुआ है।

घटना का विवरणः ऑटो में छूट गया था यादों और दवाइयों का झोला

जानकारी के अनुसार, रहली निवासी 81 वर्षीय बुजुर्ग माताजी सागर में एक विवाह समारोह में शामिल होने आई थीं। वापसी के दौरान विजय टॉकीज से बस स्टैंड जाते समय उनका बैग ऑटो में ही छूट गया। बैग में ?8100 नकद, महत्वपूर्ण दवाइयां, मेडिकल पर्चे और कपड़े थे। बुजुर्ग महिला के लिए यह सामान और दवाइयां अत्यंत अनिवार्य थीं, जिसके खोने से वे गहरे सदमे और परेशानी में थीं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों के निर्देशन में चला सर्च ऑपरेशन

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वय श्री संजीव उइके एवं श्री लोकेश कुमार सिन्हा ने तत्काल कंट्रोल रूम टीम को सक्रिय किया।

प्रभावी मॉनिटरिंगः एएसपी श्री लोकेश कुमार सिन्हा के सीधे मार्गदर्शन में कंट्रोल रूम प्रभारी उप निरीक्षक आर.के.एस. चौहान को बैग तलाशने की कमान सौंपी गई।

तकनीकी जांचः महिला प्रधान आरक्षक रेखा रजक को सीसीटीवी कैमरों के विश्लेषण का जिम्मा दिया गया।

48 घंटे का अथक प्रयास और सफलता

पुलिस टीम ने शहर के विभिन्न चौराहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। लगातार दो दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद उस विशेष ऑटो की पहचान की गई। फुटेज के आधार पर ऑटो नंबर ट्रेस कर चालक का पता लगाया गया और उसे कंट्रोल रूम बुलाया गया। तलाशी के दौरान बैग ऑटो की पिछली सीट के पीछे सुरक्षित पाया गया।

भावुक क्षणः पुलिस को दिया आशीर्वाद

जब कंट्रोल रूम में माताजी को उनका बैग सौंपा गया, तो वे अपने आंसू नहीं रोक पाईं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि इतनी जल्दी उनका सामान मिल जाएगा। माताजी और उनके परिजनों ने सागर पुलिस की कार्यप्रणाली और डायल-112 की मदद के लिए पूरी टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया।

अनोखे रुप में मनाया मातृदिवस प्रकृति माता के लिए श्रद्धा आदर समर्पण व्यक्त करते हुए पक्षियों के लिए अलग-अलग स्थान पर सकोरे रखें

सागर (ब्यूरो)। थोड़ा सा दाना थोड़ा थोड़ा सा पानी अभियान अंतर्गत आज पुनः पक्षियों चिड़ियों के लिए पानी की व्यवस्था और अनाज की व्यवस्था करने हेतु अलग-अलग स्थान पर सकोरे रखे गए और अनाज रखा गया मध्यप्रदेश शासन के अपर लोक अभियोजक दीपक पौराणिक ने बताया कि हम प्रत्येक गर्मी के मौसम में थोड़ा सा दाना थोड़ा सा पानी अभियान लगातार चलाते हैं और इस वर्ष भी चला रहे है, आज मातृ दिवस पर प्रकृति माता के प्रति समर्पण और आभार व्यक्त करते हुए पक्षियों के लिए के लिए पुनः अलग-अलग स्थान पर सकोरे रखे है ग्राम ढाना में आज अभियान चलाया है उन्होंने बताया कि हम सभी अपने निज निवास पर,कार्यालय में भी सकोरे रख रहे हैं और ऐसे पहुंच के स्थान जहां रोज पानी भरा जा सके उन्हें रखा जा रखा जा रहा है उन्होंने सभी अपील भी की है कि आप भी अभियान से जुड़े और अपने-अपने पहुंच के स्थान पर पक्षियों के लिए पानी अनाज की व्यवस्था करें। आज के अभियान में शासकीय अधिवक्ता दीपक पौराणिक,भूपेंद्र सिंह,आशीष पाठक, राजेश ठाकुर, बिक्कू सिंह,तरुण रैकवार सम्मिलित रहे।

»न्यूज कैप्सूल»

यातायात पुलिस द्वारा यात्री बस चालकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लघंन करने पर की गई कार्यवाही

दमोह (ब्यूरो)। श्री आनंद कलादगी, पुलिस अधीक्षक जिला दमोह के निर्देशन में एवं श्री सुजीत सिंह भदौरिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला दमोह के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा यात्री बसों की चौकिंग की गई। दिनांक 08.05.2026 को थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक दलबीर सिंह मार्को द्वारा थाना यातायात स्टाफ के साथ शहर के किल्लाई नाका चौराहा पर यात्री बसों के दस्तावेजों की सघन चौकिंग की गई एवं बस चालकों की ब्रैथ एनालाईजर के माध्यम से ड्रिंक एण्ड ड्राईव करने वाले बस चालकों की चौकिंग की गई। चौकिंग के दौरान 06 बसों को जप्त किया गया, जिनमें से 04 बसों के चालक ड्रिंक एण्ड ड्राईव करते हुये पाये गये एवं 02 बसों के वैध दस्तावेज न होने पर जप्त किया गया। ड्रिंक एण्ड ड्राईव करने वाले बस चालकों का प्रकरण तैयार कर निराकरण हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही ड्रिंक एण्ड ड्राईव बस चालकों का लायसेंस निलंबन हेतु परिवहन विभाग को प्रतिवेदन भेजा जावेगा। वाहन चौकिंग के दौरान मौके पर दस्तावेज प्रस्तुत न करने वाले एवं यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले 07 बस चालकों से 34,000 रूपये का प्रशमन शुल्क वसूला गया।

गायत्री शक्तिपीठ में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा की गोष्ठी संपन्न

दमोह (ब्यूरो)। गायत्री शक्ति पीठ, टंडन बगीचा में मध्य प्रदेश के परीक्षा प्रमुख श्री श्री कृष्ण शर्मा, इंदौर का भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के भागीदारों की संख्या दो गुनी करने के संबंध में विस्तृत उद्बोधन संपन्न हुआ। श्री शर्मा जी ने कहा कि हमे जड़ों को सोचना होगा जिससे आने वाले समय में देश को एक आदर्श नागरिक मिल सकें। बच्चों के बड़े हो जाने पर उनकी दिनचर्या और संस्कारों को बदलना लगभग असंभव सा होता है,किंतु यदि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के माध्यम से बच्चों को परीक्षा में आने वाले सामान्य ज्ञान की पुस्तके दी जाती है। उन पुस्तकों के पढ़ने से अपने आप बच्चों को अपना वैल्यूएशन करने की दृष्टि विकसित हो जाती है और एक आदर्श नागरिक बनने की मानसिकता बनने लगती है। जबलपुर जोन से पधारे श्री प्रमोद राय जी ने आव्हान किया कि पिछले वर्ष जितने विद्यार्थी इस परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, उससे दोगुने विद्यार्थियों को इस वर्ष परीक्षा में सम्मिलित कराने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। जिला संयोजक श्री सूरत लाल अहिरवाल ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के आयोजन के बारे में बतलाया कि जिले में 112 स्कूलों में यह परीक्षा संपन्न हुई है अब लगभग 200 स्कूलों में संपन्न कराने की योजना है। उत्कृष्ट विद्यालय दमोह के प्राचार्य श्री आर पी पटेल ने कहा कि मैं लगभग 20 वर्षों से ज्यादा समय से गायत्री परिवार से जुड़ा हूँ। मै अपने स्तर पर भरपूर प्रयास करूंगा कि अधिकतम छात्र छात्राएं इस परीक्षा के भागीदार बनें। तेंदूखेड़ा के श्री रामकुमार राय, नोहटा के श्री राजकुमार उपाध्याय, पथरिया के श्री महेश खरे और हटा से श्री जय प्रकाश नेमा और श्री अरुण पटेल ने भी अपने प्रयासों को दोगुना करने का संकल्प व्यक्त किया। श्री एल पी तिवारी पथरिया ने आभार प्रदर्शन किया और एडवोकेट कुलदीप मिश्रा ने शांतिपाठ के साथ गोष्ठी का समापन किया।

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म, केस दर्ज

राजगड़। मध्य प्रदेश के राजगड़ जिले के सारंगपुर में रहने वाली महिला ने युवक पर शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक शोषण करने और बाद में रिश्ता तोड़ने का आरोप लगाया है। पुलिस ने रविवार को आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, महिला ने बताया कि उसकी शादी पहले उज्जैन निवासी विजय से हुई थी, जिससे उसे तीन बच्चे हैं। वर्ष 2021 में पति छोड़ गया, जिसके बाद वह सारंगपुर में मायके के पास किराये के मकान में बच्चों के साथ रहने लगी और खाना बनाकर जीवन यापन कर रही है। खाना बनाने का काम करने वाली कृष्णाबाई सोनी के माध्यम से उसकी पहचान मनोज सोनी से हुई, जो अक्सर उसके घर आने लगा। रिपोर्ट के अनुसार मनोज ने उससे कहा कि उसका पति नहीं है, इसलिए वह उससे शादी करेगा। इसी भरोसे पर वह उसके घर आता-जाता रहा और मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी पत्नी बताकर पति-पत्नी की तरह रहने लगा।

भारत सरकार | सोमनाथ अनंत ऊर्जा का अनुभव

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

सोमनाथ

विरासत के 75 साल

सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है।
75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।

इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें

मुख्य गतिविधियां

कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप
सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन | सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन

श्री सोमनाथ मंदिर परिसर, प्रभास पाटन | 8 से 11 मई, 2026

"सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।"
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)

D-11020/26

सोमनाथ की दिव्यता एवं भव्यता में दें योगदान और बनें गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए-2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादक: ज्ञान सिंह बघेल।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), फोनः 9131883521, ई-मेलः janjanjagran@gmail.com **आर.एन.आई.नं. 58842/94**